



आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक



वर्ष -12 अंक - 173

प्रयागराज, मंगलवार 27 अक्टूबर, 2026

पृष्ठ- 8

मूल्य : 3.00 रुपये

लूला दा सिल्वा चौथी बार ब्राजील के राष्ट्रपति बने, ट्रम्प समर्थक को हराया

उनके पिता को भी हरा चुके; भारत के लिए यह जीत अहम

ब्राजीलिया। ब्राजील में 80 साल के लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने चौथी बार राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के समर्थक फ्लावियो बोल्सोनारो को हराया है। लूला ने 2022 के चुनाव में फ्लावियो के पिता और ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को भी हराया था। पहले दौर की वोटिंग में लूला, फ्लावियो बोल्सोनारो से पिछड़ गए थे, लेकिन दूसरे दौर में बाजी पलट दी। फ्लावियो को पहले चरण में 47 फीसदी वोट मिले थे। वहीं लूला को 45.16 फीसदी वोट मिले थे। 1989 में ब्राजील में सीधे राष्ट्रपति चुनाव शुरू हुए थे। उसके बाद यह पहली बार हुआ, जब पहले राउंड में दूसरे नंबर पर रहने वाला उम्मीदवार आखिरी राउंड में जीतकर राष्ट्रपति बना। जेल गए, चुनाव हारे, फिर सत्ता में लौटे लूला:- लूला 2002 से 2010 तक ब्राजील के राष्ट्रपति रह चुके हैं। दो बार लगातार राष्ट्रपति रहने के बाद उन्हें पद छोड़ना पड़ा था। लूला का राजनीतिक सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। 2018



इसके बाद वे 2022 का चुनाव लड़े और राष्ट्रपति बने। ब्राजील में 2 चरणों में होता है राष्ट्रपति चुनाव:-1. पहला चरण: ब्राजील में सभी उम्मीदवार चुनाव लड़ते हैं। अगर किसी को 50% से ज्यादा वोट मिल जाते हैं, तो वह सीधे राष्ट्रपति बन जाता है। अगर किसी को इतने वोट नहीं मिलते, तो सबसे ज्यादा वोट

पाने वाले दो उम्मीदवार दूसरे चरण में पहुंचते हैं। 2. दूसरा चरण: इन दोनों उम्मीदवारों के

या फ्लावियो में से किसी एक को वोट देना था। इससे जीत का पूरा हिसाब बदल गया। चुनाव से पहले हुए सर्वे में 49 फीसदी महिलाओं ने लूला का समर्थन किया, जबकि फ्लावियो को 40 फीसदी महिलाओं का समर्थन मिला था। सर्वे में 52 फीसदी कैथोलिक वोटरों ने लूला का समर्थन किया, जबकि फ्लावियो को 42 फीसदी का समर्थन मिला था। लूला ने कहा कि ब्राजील को अपने फैसले खुद लेने चाहिए। उन्होंने अमेरिका के दबाव के बीच देश की आजादी बनाए रखने पर जोर दिया। इससे भी मतदाता प्रभावित हुए। राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद भी लूला के लिए सरकार चलाना आसान नहीं होगा। ब्राजील की संसद में दक्षिणपंथी दल मजबूत हैं। जायर बोल्सोनारो की लिबरल पार्टी और उसके सहयोगियों को निचले सदन में 280 से ज्यादा और सीनेट में 50 तक सीटें मिलने का अनुमान है। ऐसे में लूला को अपने फैसले लागू कराने के लिए दूसरी पार्टियों का साथ लेना होगा। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

बीच फिर से वोटिंग होती है। पहले चरण में बाहर हुए उम्मीदवारों के वोट अपने आप किसी को नहीं मिलते। दूसरे चरण में जिसे ज्यादा वोट मिलते हैं, वही राष्ट्रपति बनता है। पहले राउंड में पिछड़ने के बाद लूला कैसे जीते:- पहले राउंड में जो उम्मीदवार हार गए, उनके समर्थकों को दूसरे राउंड में लूला

मैंने 8 जंग रुकवाई फिर भी नोबेल नहीं दिया, नॉर्वे से किसी को अमेरिका आने नहीं देना चाहता, वह घटिया देश है- ट्रम्प

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नोबेल शांति पुरस्कार न मिलने पर एक बार फिर नाराजगी जताई है। उन्होंने नॉर्वे को गाली देते हुए कहा कि वे वहां से किसी को नहीं आने देना चाहते हैं। ट्रम्प ने मिशिगन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा:- 'मैंने 8 जंग रुकवाई। फिर भी मुझे नोबेल नहीं मिला। मैं नॉर्वे से किसी को यहां आने देना नहीं चाहता।' ट्रम्प ने फ्रांस में हाल में हुई हिंसा के लिए प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया। इसके बाद उन्होंने नॉर्वे की आलोचना करते हुए कहा कि वह एक घटिया देश बन गया है। ट्रम्प लंबे समय से दावा करते रहे हैं कि उनके कूटनीतिक प्रयासों के लिए उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें अब सिर्फ ईरान और यूक्रेन जंग सुलझाना है। ट्रम्प ने बताया कि पुरस्कार की घोषणा से पहले उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें यह सम्मान मिलेगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी पत्नी से भी कहा था कि नोबेल शांति पुरस्कार मिलना उनके लिए सम्मान की बात होगी। शांति पुरस्कार नॉर्वे की सरकार नहीं देती:- नोबेल

शांति पुरस्कार को लेकर ट्रम्प की नाराजगी के बीच एक अहम बात यह है कि इस पुरस्कार का फैसला नॉर्वे की सरकार नहीं

बात नहीं है। अक्टूबर 2018 में एक कार्यक्रम में ट्रम्प ने नोबेल शांति पुरस्कार का जिक्र करते हुए कहा था कि उन्हें शायद यह



करती। विजेता का चुनाव स्वतंत्र नॉर्वेजियन नोबेल समिति करती है। इस समिति में पांच सदस्य होते हैं, जिन्हें नॉर्वे की संसद नियुक्त करती है। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गार स्टोर पहले भी ट्रम्प को यह बात समझा चुके हैं कि पुरस्कार का फैसला सरकार नहीं करती। ट्रम्प 2018 से नोबेल शांति पुरस्कार मांग रहे- ट्रम्प के लिए नोबेल शांति पुरस्कार की मांग कोई नई

कहा कि उन्हें लगता है कि उन्हें कई चीजों के लिए नोबेल मिलेगा, अगर पुरस्कार निष्पक्ष तरीके से दिया जाए। 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान भी ट्रम्प ने नोबेल का मुद्दा उठाया। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा से अपनी तुलना करते हुए कहा था कि अगर ओबामा को यह पुरस्कार मिल सकता है तो उन्हें भी मिलना चाहिए। जुलाई 2025 में नॉर्वे के वित्त मंत्री जेन्स स्टोल्टेनबर्ग से फोन पर बातचीत में ट्रम्प ने नोबेल पुरस्कार पाने की इच्छा जताई थी। यह जानकारी नॉर्वे के अखबार की रिपोर्ट के हवाले से आई थी। नवी पिल्ले को नोबेल शांति पुरस्कार मिलने पर ट्रम्प नाराज हो गए थे:- 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार नवी पिल्ले को मिलने के बाद भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नाराजगी जताई थी।

9 अक्टूबर को उन्होंने पिल्ले पर निशाना साधते हुए कहा था कि उन्हें कोई नहीं जानता। ट्रम्प ने दावा किया था कि उन्होंने 8 युद्ध खत्म कराने में मदद की है और उन्हें एक नहीं, बल्कि 8 नोबेल शांति पुरस्कार मिलने चाहिए थे।

सर्बिया में छात्र संगठनों ने चुनाव जीता, पुतिन समर्थक पीएम पद के उम्मीदवार हारे- देश में 2 साल से प्रदर्शन चल रहे

बेलग्रेड। सर्बिया में छात्र संगठनों के गठबंधन 'स्टूडेंट लिस्ट' ने चुनाव जीत लिया है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन के करीबी पूर्व राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुचिच की पार्टी का हार का सामना करना पड़ा है। वे पीएम पद के उम्मीदवार थे। उन्होंने सितंबर में ही राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया था। वुचिच के मुताबिक, छात्र गठबंधन को संसद की 250 में से कम से कम 135 सीटें मिली हैं। वहीं, वुचिच की पार्टी को करीब 105 सीटें मिलने का अनुमान है। छात्र गठबंधन को करीब 22 लाख वोट और वुचिच की पार्टी को 17.2 लाख वोट मिले। अंतिम आधिकारिक नतीजे अभी घोषित नहीं हुए हैं। छात्र संगठन पिछले 2 साल से सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। उनका आरोप था कि भ्रष्टाचार और तानाशाही

की सरकार चल रही है। बेलग्रेड में हजारों लोग जश्न मनाते सड़कों पर उतरे:- वुचिच के हार मानने के बाद राजधानी बेलग्रेड समेत कई शहरों में लोगों ने जश्न मनाया।



हजारों लोग सड़कों पर आ गए। लोगों ने सर्बिया के झंडे लहराए, गाड़ियों के हॉर्न बजाए और पटाखे फोड़े। जश्न मनाते वालों में बड़ी संख्या युवाओं की थी। चुनाव में करीब 70 फीसदी लोगों ने वोट डाले। 1992 में यूगोस्लाविया के टूटने के बाद से यह सबसे ज्यादा मतदान वाले चुनावों में से एक माना जा रहा है। 16 लोगों की मौत के बाद शुरू हुआ था आंदोलन:- नवंबर

2024 में सर्बिया के नोवी साद शहर के रेलवे स्टेशन की छतरी गिर गई थी। इस हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद छात्रों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्रों ने निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार और हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई नहीं होने को लेकर सवाल उठाए। धीरे-धीरे आंदोलन बढ़ता गया। छात्र सरकार पर भ्रष्टाचार और सत्ता का गलत इस्तेमाल करने के आरोप लगाने लगे। वुचिच पहले पीएम, फिर राष्ट्रपति बने; अब दोबारा पीएम बनना चाहते थे:- अलेक्जेंडर वुचिच 2014 से 2017 तक सर्बिया के प्रधानमंत्री रहे। 2017 में राष्ट्रपति बने और 2022 में दूसरी बार यह पद जीता। सर्बिया के संविधान के मुताबिक, कोई व्यक्ति दो बार ही राष्ट्रपति बन सकता है। इसलिए वुचिच तीसरी बार इस पद के लिए चुनाव नहीं लड़ सकते थे। उनका दूसरा कार्यकाल 2027 में खत्म होना था, लेकिन उन्होंने सितंबर 2026 में ही राष्ट्रपति पद छोड़ दिया। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

ट्रम्प बोले- ईरान के नेताओं को मारना रोकना होगा, बातचीत किससे करें, वहां कोई नेता ही नहीं बचा

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को एक रैली में ईरान पर तंज किया। उन्होंने कहा कि ईरान में अब कोई नेता नहीं

बचा है और उन्हें यह समझने में परेशानी हो रही है कि बातचीत के लिए किससे बातचीत करें। दरअसल, युद्ध के शुरूआती कुछ हफ्तों में अमेरिका और इजराइल ने हवाई हमलों में ईरान के कई



ईरान के सभी लड़ाकू विमान तबाह कर दिए हैं। अब ईरान में सिर्फ रिकॉर्ड महंगाई बची है। ट्रम्प ने कहा था- हम मिडटर्म चुनाव से पहले हमला नहीं करेंगे:- ट्रम्प युद्ध को खत्म करने की समयसीमा को लेकर पहले भी अलग-अलग बयान दे चुके हैं। अक्टूबर की शुरुआत में उन्होंने कहा था कि अमेरिका 3 नवंबर को होने वाले मिडटर्म चुनाव से पहले ईरान पर हमला नहीं करेगा। इन चुनावों से तय होगा कि अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में किस पार्टी का नियंत्रण रहेगा। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने 21 अक्टूबर को अपनी रिपोर्ट में बताया कि अमेरिकी और इजराइली सेनाओं ने मिडटर्म चुनाव

के बाद ईरान पर दोबारा हमले की योजना बनाई है। ईरान ने अमेरिकी झेन मार गिराने का दावा किया:- ईरान ने रविवार को दावा किया कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने दक्षिणी बंदरगाह शहर बंदर अब्बास के ऊपर एक अमेरिकी झेन मार गिराया। ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, यह झेन अमेरिका की सेना के लिए बनाया गया लूकस हमलावर झेन था। ईरान के इस दावे पर फिलहाल अमेरिका की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। अमेरिकी अधिकारियों को निशाना बना सकता है ईरान:- ईरान अमेरिकी अधिकारियों की हत्या की साजिश रच रहा है। अमेरिकी खुफिया अधिकारियों को शक है कि मिडिल ईस्ट और अमेरिका में मौजूद अधिकारियों को निशाना बनाने की तैयारी चल रही है। अमेरिकी खुफिया विभाग की डायरेक्टर जे क्लेटन ने 23 अक्टूबर को विदेश मंत्री मार्को रुबियो को भेजे मेलों में कहा कि ईरान ने अमेरिकी अधिकारियों को निशाना बनाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के कारण एक छोटी-सी घटना भी बड़े युद्ध की वजह बन सकती है।

नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाली मारिया वेनेजुएला लौटें, 7 बार लौटने में नाकाम रहीं, गिरफ्तारी का था खतरा

कराकस। वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया मचाडो करीब 10 महीने बाद अपने देश लौट आई हैं। नोबेल शांति पुरस्कार मिलने के बाद वे पिछले साल देश छोड़कर चली गई थीं। दिसंबर 2025 में वह नोबेल शांति पुरस्कार लेने छिपकर वेनेजुएला से नॉर्वे गई थीं। इस साल की शुरुआत में अमेरिका ने वेनेजुएला में तख्तापलट कर दिया। इसके बाद भी गिरफ्तारी के खतरे की वजह से वे देश नहीं लौट पाई थीं। मचाडो कुछ समय अमेरिका में रही फिर वे पनामा चली गई थीं। उनके करीबी लोगों ने बताया कि वे कम से कम 7 बार लौटने की कोशिश कर चुकी थीं, लेकिन असफल रहीं। अमेरिका ने सुरक्षा कारणों से उन्हें जलदबाजी में नहीं लौटने की सलाह दी थी। इसके बाद अमेरिकी अधिकारियों ने पनामा और कोलंबिया की सरकारों के बीच तारमेल बनाकर उन्हें लौटने की राह बनाई। मचाडो अगले साल चुनाव लड़ना चाहती हैं:- 2024 के पिछले राष्ट्रपति चुनाव में मचाडो



बनाया, जिन्हें विपक्ष का समर्थन हासिल था। विपक्ष का दावा है कि गोंजालेज ने चुनाव जीता था, लेकिन सरकार ने निकोलस मादुरो को विजेता घोषित कर दिया। अब मचाडो चाहती हैं कि वेनेजुएला में अगले साल जुलाई तक चुनाव करा लिए जाएं। वे खुद भी राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ना चाहती हैं। फिलहाल देश की अंतरिम नेता डेल्सी रोड्रिगेज हैं। उन्होंने कहा है कि देश में चुनाव होंगे, लेकिन अभी इसकी तारीख नहीं बताई है। मादुरो

के पकड़े जाने के बाद सत्ता बदली:- अमेरिकी सेना ने जनवरी में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ लिया था। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने डेल्सी रोड्रिगेज को अंतरिम नेता के तौर पर समर्थन दिया। मचाडो के अमेरिका के कई नेताओं से पुराने संबंध रहे हैं। इसके बावजूद ट्रम्प सरकार ने उन्हें सत्ता सौंपने के बजाय रोड्रिगेज का साथ दिया। ट्रम्प कई बार रोड्रिगेज की तारीफ भी कर चुके हैं। हालांकि उनका कहना है कि वेनेजुएला अभी चुनाव कराने के लिए तैयार नहीं है। अमेरिका वेनेजुएला के तेल और दूसरे प्राकृतिक संसाधनों से जुड़े समझौते भी कर रहा है। मचाडो इन समझौतों का विरोध कर चुकी हैं। ट्रम्प बोले- उम्मीद है मचाडो सुरक्षित होंगी:- मचाडो की वापसी के बारे में पूछे जाने पर ट्रम्प ने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। उन्होंने मचाडो को अच्छी महिला बताया और उम्मीद जताई कि वे सुरक्षित होंगी। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका वेनेजुएला में अच्छा काम कर रहा है।

नेतन्याहू ने इजराइल में बम गिरने की एआई-तस्वीर पोस्ट की, कहा- ईरान के पास परमाणु हथियार होना बड़ा खतरा

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेन्जामिन नेतन्याहू ने रविवार को एआई से बनी इजराइल में परमाणु बम गिरने की तस्वीर पोस्ट की। उन्होंने ईरान के परमाणु हथियार हासिल करने को इजराइल के लिए बड़ा खतरा बताया। नेतन्याहू ने यह तस्वीर इजराइली लेखक और राजनीतिक टिप्पणीकार युवाल ब्लूमबर्ग के बयान के साथ साझा की। इस बयान में लिखा है कि इजराइल के सामने अस्तित्व का खतरा है। अगर ईरान ने परमाणु हथियार हासिल कर लिए, तो बाकी किसी चीज का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। ईरान से पैदा होने वाले खतरे के सामने बाकी सभी मुद्दे मामूली हैं। वहीं, विपक्षी नेता यायर गोलान ने आरोप लगाया कि नेतन्याहू लोगों में डर फैला रहे हैं। यह पोस्ट इजराइल में 27 अक्टूबर को होने वाले चुनाव से दो दिन पहले आई है। ट्रम्प के कार्यकाल के बचे दो साल का जिक्र-पोस्ट में कहा गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के कार्यकाल में इजराइल के पास ईरान के खतरे से निपटने के लिए सिर्फ दो साल और हैं। दरअसल, 2 साल बाद यानी 2028 को ट्रम्प का कार्यकाल खत्म हो जाएगा। इसमें इजराइल की घरेलू राजनीति

में चल रहे विवादों को देश की सबसे बड़ी सुरक्षा चुनौती से ध्यान भटकाने वाला बताया गया। नेतन्याहू बोले- अगर इजराइल पर परमाणु बम गिर जाएं, तो क्या होगा-पोस्ट में कतर, अति-धार्मिक यहूदी समुदाय, सेना में अनुवार्य भर्ती और चेतावनियों जैसे मुद्दों का जिक्र किया गया। लेकिन पोस्ट में सवाल उठाया गया कि अगर इजराइल पर दो परमाणु बम गिर जाएं, तो इन विवादों की परवाह कौन करेगा। दरअसल, नेतन्याहू की सरकार को कई मुद्दों पर घेरा गया है। इसमें 7 अक्टूबर 2023 के हमला हमले को रोकने में नाकामी की जांच न होना, यहूदियों को सेना में भर्ती से छूट, सुप्रीम कोर्ट की ताकत कम करने की कोशिश और युद्ध खत्म कर देश की सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल है। नेतन्याहू चुनाव प्रचार के दौरान लगातार ईरान के खतरे को प्रमुख मुद्दा बनाते रहे हैं। उनका कहना है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना इजराइल की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। विपक्षी नेता बोले- प्रधानमंत्री को सोशल मीडिया से दूर रखें:- डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष यायर गोलान ने नेतन्याहू की पोस्ट की आलोचना की। इजराइली मीडिया

वाई-नेट' को मुताबिक, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और उनके आसपास के लोगों का संतुलन बिगड़ गया है और उन पर दबाव बढ़ रहा है। गोलान ने कहा- 'इजराइल के प्रधानमंत्री ने तेल अवीव पर परमाणु बम गिरने की तस्वीर पोस्ट की है। मैं मांग करता हूँ कि उन्हें सोशल मीडिया से दूर रखा जाए।' उन्होंने चुनाव का जिक्र करते हुए कहा, '27 अक्टूबर को हम डर फैलाने वालों को सत्ता से हटाएंगे और इजराइल में सुरक्षा और समझदारी को वापस लाएंगे। नेतन्याहू ने ईरान विरोधी लेखक ब्लूमबर्ग का बयान साझा किया:- नेतन्याहू ने युवाल ब्लूमबर्ग का बयान साझा किया, वे राजनीतिक टिप्पणीकार और लेखक हैं। वे 2023 में प्रकाशित अपनी किताब 'द ओल्डो ट्रैप: फ्रॉम ड्रीमिंग ऑफ पीस टू अ क्लबाथ' के लिए जाने जाते हैं। इस किताब में उन्होंने 1993 के ओल्डो समझौते के पीछे की बातचीत, राजनीतिक खींचतान और इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष पर उसके असर की समीक्षा की है। ब्लूमबर्ग ने किताब में तर्क दिया है कि शांति की उम्मीद के साथ किए गए इस समझौते के बाद इजराइल में आतंकवादी हमले बढ़े और शांति की उम्मीद कमजोर पड़ी।

तिब्बत में फिर भूकंप, तीव्रता 5.9 रही, पिछले 5 दिनों में दूसरा बड़ा भूकंप, चीन-नेपाल में भी झटके

काठमांडू। तिब्बत में रविवार को 5.9 तीव्रता का भूकंप आया। इसकी गहराई जमीन से 9 किलोमीटर नीचे थी। तिब्बत में पिछले 5 दिनों में यह दूसरा बड़ा भूकंप आया है। इससे पहले 22 अक्टूबर को तिब्बत में 7 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें 16

हिलने लगी हैं। इसे ही भूकंप कहते हैं। तिब्बत में जमीन के नीचे मौजूद दरारों में दबाव जमा होता रहता है। इसलिए यहां बार-बार भूकंप आते हैं। नेपाल के बैतडी जिले में भी भूकंप:- नेपाल के भूकंप निगरानी और अनुसंधान केंद्र के मुताबिक,



लोगों की मौत हुई थी। वहीं, चीन के चिंगाई इलाके में 5.7 और नेपाल में भी 4.2 तीव्रता के झटके महसूस किए गए। तिब्बत में पहले भी भूकंप मचा चुके तबाही:- तिब्बत दुनिया के उन इलाकों में शामिल है, जहां भूकंप आने का खतरा ज्यादा रहता है। यहां भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकराती हैं। इनकी हलचल से हिमालय पर्वत बना है, लेकिन इसी वजह से इलाके में भूकंप भी आते रहते हैं। जनवरी 2025 में तिब्बत के तिगरी काउंटी में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें तिब्बत में करीब 400 लोगों की मौत हुई थी, जबकि पड़ोसी नेपाल में 13 लोगों की जान गई थी। इसके झटके उत्तर भारत समेत दक्षिण एशिया के कई हिस्सों में महसूस किए गए थे। इससे पहले 2010 में पड़ोसी चीनी प्रांत छिंगहाई के युशू में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें कम से कम 2,698 लोगों की मौत हुई थी और करीब 300 लोग लापता हो गए थे। तिब्बत में बार-बार भूकंप क्यों आते हैं? जमीन के नीचे दो बड़ी प्लेटें हैं। भारत की प्लेट और यूरेशिया की प्लेट। भारत की प्लेट धीरे-धीरे उत्तर की ओर बढ़ रही है और यूरेशिया की प्लेट को धक्का दे रही है। दबाव की वजह से जमीन के नीचे की चट्टानों में हलचल होती है। जब चट्टानें अचानक खिसकती हैं, तो जमीन

रविवार दोपहर बैतडी जिले के दिलासैनी इलाके में 4.2 तीव्रता का भूकंप आया। यह इलाका सुदूरपश्चिम प्रांत में नेपाल-भारत सीमा के पास है। भूकंप के झटके बैतडी और दार्चुला जिलों के आसपास के इलाकों में भी महसूस किए गए। फिक्कल भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की तत्काल खबर नहीं है। आगस्त में बाढ़ से भी मबी थी तबाही:- नेपाल में 26 अगस्त को आई बाढ़ ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई थी। चीन के तिब्बत से लगी सीमा के पास शुरू हुई इस बाढ़ का असर भोटेकोशी नदी और आसपास के इलाकों में देखने को मिला। अचानक आए तेज पानी ने घरों, सड़कों, पुलों और बिजली बनाने वाली परियोजनाओं को भारी नुकसान पहुंचाया। इसमें 1455 लोगों की मौत हुई थी। साथ ही 5,285 लोग अब भी लापता हैं। नेपाल में भूकंप आने का खतरा ज्यादा रहता है:- नेपाल में हर साल कई बार भूकंप आते हैं। इसकी वजह यह है कि देश हिमालय के ऐसे इलाके में स्थित है, जहां जमीन के नीचे मौजूद टेक्टोनिक प्लेटों में हलचल होती रहती है। नेपाल के कई हिस्से भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील माने जाते हैं। यहां के इलाके भूकंपीय जोन-4 और जोन-5 में आते हैं, जहां भूकंप का खतरा ज्यादा रहता है।

पिकाथॉन डे 2026 - नोएडा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) श्रीमती एस. राजेश्वरी नोएडा। सेक्टर 100



स्थित लोटस बुलेवार्ड में रविवार की सुबह आयोजित पिकाथॉन डे 2026 दौड़ में सैंकड़ों महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को शारीरिक फिटनेस, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। इस दौड़ को नोएडा की सामाजिक कार्यकर्ता

दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर श्री विजय गडरू जी, नोएडा रन एम्बेसडर, भी उपस्थित रहे। यह आयोजन महिलाओं की शक्ति, सामुदायिक एकजुटता तथा स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का उत्सव बना। पिकाथॉन डे 2026 ने सभी प्रतिभागियों के लिए एक यादगार सुबह का अनुभव प्रदान किया।

27 अक्टूबर को होटल रामा कॉन्टिनेंटल में सजेगा फैशन का जलवा, प्रयागराज में जुटेंगे सितारे और मॉडल

दूसरे ऑडिशन को लेकर फैशन जगत में उत्साह, अनी सिंह राजपूत और अंजलि गुप्ता संभालेंगी आयोजन की कमान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में 27 अक्टूबर को फैशन, लैमर और मॉडलिंग का शानदार नजारा देखने को मिलेगा। होटल रामा कॉन्टिनेंटल में आयोजित होने वाले इस विशेष कार्यक्रम में फैशन जगत से जुड़े सितारों और मॉडलों के शामिल होने की उम्मीद है। कार्यक्रम के दूसरे ऑडिशन को लेकर प्रतिभागियों में खासा उत्साह है। इस आयोजन में अनी सिंह राजपूत और अंजलि गुप्ता

महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए कार्यक्रम वे प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालेंगी। आयोजन का उद्देश्य प्रतिभाशाली युवाओं और उभरते मॉडलों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है। फैशन और मॉडलिंग के क्षेत्र में अपना करियर बनाने का सपना देखने वाले प्रतिभागियों के लिए यह ऑडिशन अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व को मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर होगा। कार्यक्रम के माध्यम से

महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, मातृभूमि सेवा मिशन, रायबरेली इकाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मातृभूमि सेवा मिशन रायबरेली इकाई के तत्वावधान

स्वागत एवं सम्मान किया गया। तत्पश्चात इकाई अध्यक्ष आदरणीय श्री रामराज गिरी जी,



में दिनांक 26 अक्टूबर 2026, दिन सोमवार को नित्य योगाभ्यास के उपरांत आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती बड़े ही श्रद्धा, सम्मान एवं भावपूर्ण वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधार आदरणीय डॉ. संतलाल जी (सेवानिवृत्त हिंदी प्रोफेसर, फिरोज गांधी कॉलेज, रायबरेली) की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम के शुभारंभ में मातृभूमि सेवा मिशन रायबरेली इकाई के महामंत्री आदरणीय श्री देवेंद्र मिश्रा जी द्वारा मुख्य अतिथि डॉ. संतलाल जी का माल्यार्पण कर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इसके उपरांत श्री डी.बी. सिंह जी द्वारा इकाई अध्यक्ष आदरणीय श्री रामराज गिरी जी का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। इसी क्रम में मिशन के युवा प्रभारी डॉ.

महामंत्री श्री देवेंद्र मिश्रा जी, महिला योग प्रशिक्षिका सुश्री शिवांशी पाण्डेय जी एवं श्री गुरू जी द्वारा मुख्य अतिथि डॉ.



संतलाल जी को भगवान योगेश्वर की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित



सचिन पटेल जी द्वारा मुख्य अतिथि आदरणीय डॉ. संतलाल जी को मातृभूमि सेवा मिशन का पटका पहनाकर उनका आत्मीय

किया गया। इस अवसर पर महर्षि वाल्मीकि जी के महान जीवन, उनके आदर्श, ज्ञान, सत्य, सदाचार, मानवता एवं

छठ पूजा को लेकर हुई प्रवासी संघ की बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सोमवार को छठ पूजा की तैयारियों के लिए प्रवासी संघ की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन



सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 19 में कार्यकारी अध्यक्ष टी एन चौरसिया र की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, बैठक में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी धूमधाम से मनाने पर जोर दिया गया, प्रवासी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष चौरसिया जी ने कहा कि अब हम सभी को पूरे मन से छठ पूजा की तैयारियों में लग

उससे अच्छा ही होना चाहिए, प्रवासी संघ के महासचिव अवधेश राय ने कहा कि हमें अपने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरे मन से करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाना है, नोएडा प्राधिकरण से किये जाने वाले सभी आवश्यक कार्यवाही संघ के उपाध्यक्ष विकास तिवारी ने बताया कि इस बार छठ घाट 150 फीट लंबा और 60 फिट चौड़ा बनाने का

लक्ष्य रखा गया है और नोएडा प्राधिकरण से होने वाले कागजी कार्रवाई को लगभग पूरा कर लिया है,

इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रभागों के लिए टीम का गठन किया जा रहा है जैसे घाट की सुरक्षा, आने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए टीम एवं अतिथियों को निर्मात्रित करने के लिये अलग टीम। प्रवासी महासंघ के महासचिव अवधेश राय ने बताया कि संघ का प्रत्येक सदस्य पूरे मनोयोग से छठ आयोजन को सफल बनाने के लिए लगना होगा तभी पूजा सुचारु ढंग से सम्पन्न हो सकेगी।

बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष चौरसिया जी महासचिव अवधेश राय, विकास तिवारी, छाया राय, अभिनव पाण्डेय, राहुल द्विवेदी, अनुज त्रिपाठी, अखिलेश सिंह, विजय कुमार सिंह, अरुण सिंह, नितांत सिंह, सतरंजन कुमार, दिनेश मिश्रा, बृजमोहन सिंह, आकाश तिवारी, इंदु यादव एवं मधु सिंह समेत अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त बैंककर्मियों के निधन पर परिजनों को मिलेगी 50 हजार की आर्थिक सहायता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उत्तर प्रदेश ग्रामीण

का समर्थन किया। समिति के इस निर्णय को दिवंगत सदस्य



बैंक सेवा निवृत्त कर्मिक समिति की चालू वर्ष की तीसरी बैठक

के परिवार को कठिन समय में आर्थिक संबल प्रदान करने की



सिविल लाइंस स्थित एक होटल में आयोजित की गई। बैठक में सेवानिवृत्त बैंककर्मियों के हितों और संगठन की गतिविधियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान समिति के सदस्यों ने आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्णय लिया। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि समिति के किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके परिजनों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। सदस्यों ने एकमत से इस प्रस्ताव

दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। बैठक में सदस्यों ने संगठन की एकजुटता और आपसी सहयोग को बनाए रखने पर भी जोर दिया। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मियों के बीच परस्पर सहयोग की भावना से संगठन को मजबूती मिलती है। बैठक में अजीत मेहरोत्रा, देवाशीष बंदोपाध्याय, प्रवीण पांडेय, पीके बंसल, खालिद अहसन, बिनोद शुक्ल, प्रतिभा सिंह, एसएल वर्मा, प्रदीपराज शुक्ल, डीबी वर्मा, अवधेश शुक्ल, एसपी तिवारी, केके ओझा सहित 100 से अधिक सदस्य मौजूद रहे।

नोएडा सेक्टर 52 में रागिनी नायक का उद्घोष वोट चोरी पर घिरी बीजेपी और ज्ञानेश कुमार का मांगा इस्तीफा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। वोट बचाओ देश बचाओ अभियान के तहत रागिनी नायक ने नोएडा सेक्टर 52 में कांग्रेस कार्यालय पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस संबोधित करते हुए भाजपा तथा ज्ञानेश कुमार के ऊपर वोट चोरी के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा की नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी वोट चोरी के खिलाफ लगभग 2 साल पहले से अलंद, महादेवपुरा, हरियाणा तथा कर्नाटक में हुई वोटों की धांधली का पर्दाफाश किया था त उसकी पुष्टि दो चुनाव आयुक्त के 14 शिकायती पत्रों ने कर दी है त रागिनी नायक ने चुनावी प्रक्रिया और मतदाता सुचियों में कथित धांधली एवं अनियमितताओं को लेकर भाजपा एवं चुनाव आयोग के मुखिया ज्ञानेश कुमार पर सवाल उठाये त उन्होंने कहा कि कांग्रेस तो बहुत लंबे समय से वोटों की संख्या और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग समय-समय पर करती रही

कांग्रेस पार्टी इसे देशव्यापी जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाएगी त उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का मशीन रीडिंग, डिजिटल डाटा राजनीतिक दलों और वोटरों को स्वयं उपलब्ध कराया जाना चाहिए ताकि उसका स्वतंत्र रूप से सत्यापन हो सके त उन्होंने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफा और पूरे मामले की स्वतंत्र जांच की मांग किया। प्रेस वार्ता में पूर्व मंत्री दीपक कुमार, जिला कांग्रेस अध्यक्ष दीपक भाटी महानगर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश यादव, दिनेश अवाना, पवन शर्मा, शहाबुद्दीन, सतेन्द्र शर्मा, लियकत चौधरी, फरे सिंह नागर, यतेश्वर शर्मा, निशा शर्मा, संजय तेनेजा, चरण सिंह यादव, कैप्टन पी एस रावत, गौतम अवाना, जावेद खान, दयाशंकर पांडे, संदीप सिसोदिया, बीरो देवी, मधुराज, मुलेश शर्मा, राजकुमार शर्मा, मजहर हुसैन, उदयवीर यादव, वसीम खान सहित कई कांग्रेस पदाधिकारी मौजूद रहे।

रेल कर्मचारियों के लिए श्रावस्ती में एक दिवसीय भ्रमण शिविर का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। सोमवार को पूर्वोत्तर

स्थलों का भ्रमण कराया गया। इस क्रम में कर्मचारियों ने जेतवन,

कि इस एक दिवसीय भ्रमण शिविर का मुख्य उद्देश्य



रेलवे लखनऊ मण्डल के मण्डल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मण्डल कर्मिक अधिकारी राजेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में बहराइच एवं आस-पास के स्टेशनों पर विभिन्न विभागों में कार्यरत रेल कर्मचारियों के लिए श्रावस्ती में एक दिवसीय भ्रमण शिविर का आयोजन किया गया। इस भ्रमण शिविर में कुल 50 कर्मचारियों ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। भ्रमण के दौरान कर्मचारियों को श्रावस्ती के प्रमुख धार्मिक, ऐतिहासिक एवं पर्यटन

सहेट-महेट, महाअंगुलिमाल गुफा, कच्ची कुटी, ओरझर थाई टैम्पल, कोरियन टैम्पल तथा दिगांबर जैन शंभूनाथ मंदिर सहित विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण किया और उनके धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान कर्मचारियों के लिए समुचित व्यवस्था की गई। वापसी यात्रा के दौरान भ्रमण में शामिल सभी कर्मचारियों को उपहार भी वितरित किए गए। इस अवसर पर मण्डल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने कहा

कर्मचारियों को कार्य की व्यस्तता एवं तनाव से कुछ समय के लिए राहत प्रदान करना, उन्हें ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों से परिचित कराना तथा आपसी सौहार्द, टीम भावना और भाईचारे को प्रोत्साहित करना है। सभी कर्मचारियों ने मण्डल प्रशासन द्वारा की गयी इस पहल की सराहना करते हुए इसे सुखद, ज्ञानवर्धक एवं यादगार अनुभव बताया। इस आशय की जानकारी जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने मीडिया को दी।

नव विहान ने शिक्षा जगत में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिये चाणक्य सम्मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ/रायबरेली। शिक्षा जगत

रूप में। हर रूप में चाणक्य अपने आप में परिपूर्ण थे। जबकि



में साक्षरता से लेकर उच्च शिक्षा तक कार्य करने वाली प्रख्यात नवविहान संस्था ने पांच राज्यों के बाद रविवार को उत्तर प्रदेश में पांच पसारने के क्रम में राजधानी लखनऊ के सहकारिता भवन में शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को चाणक्य सम्मान से नवाजा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आये कैसर अस्पताल के निदेशक प्रो. डा. एम.बी. भट्ट ने कहा कि चाणक्य हर विद्या में पारंगत थे। चाहे आर्थिक हो, गुरु के रूप में हो, सामाजिक रूप में हो या फिर राजनीति या रणनीति के

जाने-माने शिक्षाविद प्रो. अमरीक सिंह ने कहा कि चाणक्य को समझने के लिए उनमें खोना पड़ेगा, केवल कुछ किताबें पढ़कर हम चाणक्य को नहीं समझ सकते। चाणक्य ने भारत को वह दिया जिसके बल पर हम आज भी गौरवान्वित होते हैं। आज भारत को जो कुछ भी हासिल है, उसमें उनके योगदान को नहीं नकारा जा सकता। जबकि न्यायमूर्ति एस.एस. उपाध्याय ने कहा कि जब मैं यहां आ रहा था तो सोच रहा था कि कौन से लोग हैं जिनको चाणक्य सम्मान देना है, मुझे यही जिज्ञासा

पद संचलन के माध्यम से वैश्य समाज ने दिखाई अपनी ताकत, कल 27 अक्टूबर को होगा रिफॉर्म क्लब में एक बड़ा वैश्य सम्मेलन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। वैश्य एकता परिषद ने 27 अक्टूबर को एक बड़े वैश्य सम्मेलन की घोषणा की है जो की रायबरेली के रिफॉर्म क्लब में आयोजित होगा उसके पूर्व एक

बताया कि सम्मेलन की पूर्व संध्या पर आयोजित इस पद संचलन के माध्यम से हम संपूर्ण व्यापारी समाज जो कि अधिकतर वैश्य समाज से हैं से आवाहन करने निकले हैं कि हम अपनी



दिन पहले वैश्य समाज ने पद संचलन कर अपनी ताकत दिखाई। वैश्य एकता परिषद के द्वारा आयोजित पथ संचलन में समाज के बड़े नेताओं ने समाज के लोगों के साथ मिलकर शहर के मुख्य बाजार में घूम-घूम कर यह संदेश दिया की वो किसी भी राजनीतिक पार्टी के समीकरण को बिगाड़ने के लिए या बनाने के लिए पर्याप्त ताकत रखते हैं। पथ संचलन में परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुमंत गुप्ता भी मौजूद रहे उन्होंने

आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन करने की ताकत को पहचाने और एकजुट होकर आने वाले चुनाव में अपनी भूमिका को सुनिश्चित करें। पथसंचलन का जगह-जगह स्वागत भी हुआ रिफॉर्म क्लब से निकलने पर अस्पताल चौराहा दीवानी कवहरी गेट पर अनूप अग्रवाल ने अपने साथियों के साथ फूल की बरसा की, बस स्टॉप चौराहे पर पंकज सोनी, खोया मंडी महेश यज्ञसैनी, कैपरांग में श्याम जी व महेश चौरसिया ने फूलों की

वर्षा की, घंटाघर में अतुल गुप्ता सुपर मार्केट में महेश बंसल यूनियन बैंक चौराहा में भोला गुप्ता ने हाथी पार्क में संजय बंसल व डॉ.अतुल अग्रवाल ने फूलों की वर्षा करके पद संचलन में शामिल लोगों का स्वागत किया। वैश्य एकता परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. विजय रस्तोगी:- ने कहा कि रीफॉर्म क्लब के मैदान में वैश्य समाज के वो सभी लोग एकत्रित होंगे जो राजनीतिक रूप से 2027 की भूमिका में विशेष भागीदारी निभाएंगे।लालगंज नगर पंचायत की अध्यक्ष सरिता गुप्ता भी पद संचलन में मौजूद रही उन्होंने भी इस बात पर बल दिया कि वैश्य समाज को राजनीतिक रूप से अपनी हिस्सेदारी लेनी चाहिए ले:- वैश्य एकता परिषद की जिला अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि रिफॉर्म क्लब में आयोजित होने वाले इस बड़े सम्मेलन में सभी राजनीतिक दलों में शामिल प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे और सभी का सिर्फ एक लक्ष्य होगा समाज को किस प्रकार से मजबूत बनाएं और राजनीतिक हिस्सेदारी ली जा ले पथसंचलन में मुख्य रूप से डॉ. बी वैश्य, वीरेंद्र अग्रहार, डॉ. जे मोदनवाल, संजय जयसवाल, अतुल गुप्ता, के. के अग्रहरि, गुणेश कसौधन, धर्मेंद्र वर्मा, मधुरेंद्र वैश्य एडवोकेट, जुगल किशोर गुप्ता, राकेश गुप्ता सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 225 जोड़ों का विवाह सम्पन्न

जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने वर-वधू को दिया आशीर्वाद,सोनभद्र में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 225 जोड़ों ने थामा एक-दुजे का हाथ, 216 हिन्दू एवं 09 मुस्लिम जोड़ों का रीति-रिवाज के अनुसार सम्पन्न हुआ सामूहिक विवाह,मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना से नवदंपतियों को मिलेगा गृहस्थी बसाने का संवल, नवम्बर में फिर होगा आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया

अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे), जिला समाज कल्याण अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों ने नवविवाहित वर-वधू को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सुखमय दाम्पत्य जीवन की कामना की। समाज कल्याण विभाग, विकास विभाग एवं पुलिस प्रशासन के कर्मचारियों द्वारा अर्पेक्षित सहयोग प्रदान किया गया, जिससे कार्यक्रम का सफल आयोजन सम्पन्न हुआ। जिला समाज कल्याण अधिकारी



ने अवगत कराया कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत जिला प्रशासन सोनभद्र के कुशल पर्यवेक्षण में दिनांक 26 अक्टूबर, 2026 को डायट परिसर, उरमौरा, रॉबटर्सगंज, सोनभद्र में सामूहिक विवाह समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 225 जोड़ों का उनके रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह सम्पन्न कराया गया, जिसमें 216 हिन्दू एवं 09 मुस्लिम जोड़े सम्मिलित रहे। विकास खण्ड रॉबटर्सगंज के 38, करमा के 19, चतवा के 11, नगावों के 05, दुदडी के 15, मयोरपुर के 43, घोराल के 29, चोपन के 21, कोन के 08, बभनी के 24 तथा नगर पालिका क्षेत्र के 12 पत्र जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मा0 राज्य मंत्री, समाज कल्याण श्री संजीव कुमार गोड, मा0 ब्लॉक प्रमुख रॉबटर्सगंज श्री अजीत रावत, मा0 ब्लॉक प्रमुख मयोरपुर श्री मान सिंह, मा0 ब्लॉक प्रमुख नगावों श्री आलोक सिंह सहित

समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई महर्षि वाल्मीकि जी और संत शिरोमणि नामदेव जी की जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर संगठन द्वारा महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में महर्षि वाल्मीकि जी एवं महान संत शिरोमणि नामदेव जी की जयंती श्रद्धा, उत्साह और धूमधाम के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर कैंप कार्यालय, कंचनगंगा मार्केट, सेक्टर-53, नोएडा में किया गया। कार्यक्रम का संचालन महानगर महासचिव विकास यादव ने किया। इस अवसर पर उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि जी और संत शिरोमणि नामदेव जी के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा उनके विचारों, शिक्षाओं और समाज सुधार में दिए गए योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि दोनों महान संतों का जीवन समाज को मार्ग दर्शाया, इन महापुरुषों के विचार आज भी समाज को एकजुट करने और भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता की सेवा करने की प्रेरणा देते हैं। हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव सुनील चौधरी ने कहा, 'महर्षि वाल्मीकि जी और संत शिरोमणि नामदेव जी का जीवन सामाजिक जागरूकता, आध्यात्मिक चेतना

महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया,मातृभूमि सेवा मिशन, रायबरेली इकाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मातृभूमि सेवा मिशन महर्षि वाल्मीकि जी के महान जीवन, उनके आदर्शों, ज्ञान, शिवेंद्र गुप्ता जी, सत्य प्रकाश यादव जी, केदारनाथ जी,

रायबरेली इकाई के तत्वावधान में सोमवार को नित्य योगाभ्यास के उपरांत आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती बड़े ही श्रद्धा, सम्मान एवं भावपूर्ण वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधार आदरणीय डॉ. संतलाल जी (सेवानिवृत्त हिंदी प्रोफेसर, फिरोज गांधी कॉलेज, रायबरेली) की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम के शुभारंभ में मातृभूमि सेवा मिशन रायबरेली इकाई के महामंत्री आदरणीय श्री देवेंद्र मिश्रा जी द्वारा मुख्य अतिथि डॉ. संतलाल जी का माल्यार्पण कर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इसके उपरांत श्री डी.बी. सिंह जी द्वारा इकाई अध्यक्ष आदरणीय श्री रामराज गिरी जी का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। इसी क्रम में मिशन के युवा प्रभारी डॉ. सचिन पटेल जी द्वारा मुख्य अतिथि आदरणीय डॉ. संतलाल जी को मातृभूमि सेवा मिशन का पटका पहनाकर उनका आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। तत्पश्चात इकाई अध्यक्ष आदरणीय श्री रामराज गिरी जी, महामंत्री श्री देवेंद्र मिश्रा जी, संयोजक श्री प्रदीप पाण्डेय जी, सह-संयोजक श्री रामानुज मिश्रा जी एवं युवा प्रभारी डॉ. सचिन पटेल जी की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्री डॉ संजय सिंह जी,योग शिक्षक श्री अनूप शर्मा जी, श्रीमती रश्मि पाण्डेय जी, आराधना जी, सुमन दीदी, वीरेंद्र पाल जी, आशीष यादव जी,

की भावना को आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के आयोजक मंडल में मातृभूमि सेवा मिशन रायबरेली इकाई के अध्यक्ष आदरणीय श्री रामराज गिरी जी, महामंत्री श्री देवेंद्र मिश्रा जी, संयोजक श्री प्रदीप पाण्डेय जी, सह-संयोजक श्री रामानुज मिश्रा जी एवं युवा प्रभारी डॉ. सचिन पटेल जी की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्री डॉ संजय सिंह जी,योग शिक्षक श्री अनूप शर्मा जी, श्रीमती रश्मि पाण्डेय जी, आराधना जी, सुमन दीदी, वीरेंद्र पाल जी, आशीष यादव जी,

योगी सरकार की पहल से सोनभद्र की महिलाएं बन रहीं आत्मनिर्भर, पंचगव्य के दीपक और गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियों की बड़ी मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश



सरकार ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने के लिए स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित कर रही है। इसका उदाहरण सोनभद्र में देखने को मिल रहा है, जहां राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के सहयोग से गणेश आजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाएं पंचगव्य से दीपक, धूपबत्ती और भगवान गणेश-लक्ष्मी की आकर्षक मूर्तियां तैयार कर रही हैं। त्योहारों के दौरान इन उत्पादों की बढ़ती मांग से महिलाओं को अपनी आमदनी बढ़ाने का अवसर मिल रहा है।स्थानीय संसाधनों से तैयार किए जा रहे इन उत्पादों को पारंपरिक स्वरूप के साथ आकर्षक डिजाइन भी दिया जा रहा है। दीपावली जैसे त्योहारों पर ग्राहकों की बढ़ती रुचि और अग्रिम ऑर्डर से समूह की महिलाओं को अपने काम का विस्तार करने का अवसर मिल रहा है। सरकारी प्रशिक्षण और आर्थिक सहयोग से महिलाएं अपने हुनर को स्वरोजगार में बदल रही हैं। प्रशिक्षण और आर्थिक सहायता से बड़ा महिलाओं का हुनर:- एनआरएलएम के उपायुक्त रवींद्र वीर ने बताया कि समूह की महिलाओं को पंचगव्य से दीपक, धूपबत्ती और गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियां बनाने का प्रशिक्षण दिलाया गया है। पंचगव्य में गाय के गोबर, दूध, घी, दही और गोमूत्र जैसे घटकों का इस्तेमाल किया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को उत्पाद तैयार करने के साथ उन्हें आकर्षक रूप देने की

बढ़ाने के लिए आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई गई है। पंचगव्य से बने दीपक, धूपबत्ती और गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियों की बाजार में अच्छी मांग है। आकर्षक डिजाइन और पारंपरिक स्वरूप के कारण इन उत्पादों के लिए अग्रिम ऑर्डर भी मिल रहे हैं। पराग दूध की ओर से मिला बड़ा ऑर्डर:- समूह की महिलाओं के उत्पादों को बाजार में मिल रही मांग का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पराग दूध की ओर से उन्हें 20 हजार



दीपक और धूपबत्ती के एक हजार पैकेट का ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर महिलाओं के लिए अपने उत्पादों को बड़े स्तर पर तैयार करने और स्वरोजगार को आगे बढ़ाने का अवसर है। त्योहारों के दौरान पंचगव्य से तैयार उत्पादों की मांग बढ़ने से समूह की महिलाओं को अपने काम के लिए नए ग्राहक मिल

मिशन शक्ति 6.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को लेकर सोनभद्र पुलिस का व्यापक जनजागरूकता अभियान

‘नारी का सम्मान, सुरक्षा की पहचान – सोनभद्र पुलिस का यही अभियान।’

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान



एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस अधीक्षक मुख्यालय/नोडल अधिकारी सुश्री मेविश टॉक के पर्यवेक्षण में मिशन शक्ति 6.0 के अंतर्गत जनपद में व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के क्रम में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं सरकारी सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रमों के दौरान गुड टच-बैंड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकार, लैंगिक समानता, बाल विवाह की रोकथाम तथा महिलाओं एवं

बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्रदान की जा रही है। साथ ही, महिलाओं एवं बालिकाओं को किसी भी प्रकार की समस्या, उत्पीड़न अथवा असुरक्षा की स्थिति में बिना किसी भय या संकोच के पुलिस से संपर्क करने तथा संबंधित हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक कर उन्हें सुरक्षित वातावरण

प्रदान करना है। प्रशिक्षण, वित्तीय सहयोग और बाजार तक पहुंच के अवसर महिलाओं को घरेलू कामकाज से आगे बढ़कर उद्यमी बनने की दिशा में प्रोत्साहित कर रहे हैं। स्थानीय संसाधनों से उपयोगी और आकर्षक उत्पाद तैयार करने की यह पहल स्वरोजगार के साथ पारंपरिक शिल्प और पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों को भी बढ़ावा देती है। गणेश आजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के लिए पंचगव्य से उत्पाद तैयार करना

डीएम की अध्यक्षता में मतदेय स्थलों के संभाजन को लेकर राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक सम्पन्न

आलेख्य मतदेय स्थल सूची पर प्राप्त शिकायतों एवं सुझावों के निस्तारण की समीक्षा की गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में



जनपद में मतदेय स्थलों के संभाजन (पुनर्गठन) की प्रक्रिया को पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सरनीति कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई।बैठक में मतदेय स्थलों के संभाजन हेतु निर्धारित कार्यक्रम के अंतर्गत आलेख्य सूची का प्रकाशन किया गया है। आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आलेख्य सूची के

के संभाजन की प्रक्रिया में निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा प्राप्त शिकायतों एवं सुझावों का नियमानुसार निस्तारण करते हुए आगे की कार्यवाही संपन्न कराने पर जोर दिया गया।जिलाधिकारी ने निर्वाचन संबंधी कार्यों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के महत्व पर बल देते हुए कहा कि मतदेय स्थलों के संभाजन की प्रक्रिया निर्धारित मानकों एवं निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार पूर्ण की जानी चाहिए,जिससे आगामी निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित किया जा सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ, प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी फिरोज अहमद सहित मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

साइबर अपराध हेल्पलाइन,1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, सोनभद्र पुलिस की अपील: महिलाएं एवं बालिकाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें, किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के विरुद्ध आवाज उठाएं तथा आवश्यकता पड़ने पर पुलिस एवं संबंधित हेल्पलाइन सेवाओं की सहायता लें। आमजन भी साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहे और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाएं। 'सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन - सशक्त नारी, सशक्त राष्ट्र।'



विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों, बालिकाओं एवं आमजन को साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों तथा उनसे बचाव के उपायों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जा रही है। कार्यक्रमों के दौरान ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट फ्रॉड, सोशल मीडिया फ्रॉड, साइबर घूमिंग, टेलीग्राम फ्रॉड, फर्जी ट्रेडिंग/इन्वेस्टमेंट ग्रूप, क्रिप्टोक्रेसी स्कैम एवं फिशिंग लिंक सहित विभिन्न प्रकार के

साइबर अपराध हेल्पलाइन,1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, सोनभद्र पुलिस की अपील: महिलाएं एवं बालिकाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें, किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के विरुद्ध आवाज उठाएं तथा आवश्यकता पड़ने पर पुलिस एवं संबंधित हेल्पलाइन सेवाओं की सहायता लें। आमजन भी साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहे और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाएं। 'सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन - सशक्त नारी, सशक्त राष्ट्र।'

सोनभद्र में 28 से 31 अक्टूबर तक तेज हवाओं, वृद्धापात एवं भारी वर्षा की संभावना

जनपदवासी बरतें सतर्कता, मौसम विभाग की चेतावनी के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से सुरक्षित रहने की अपील की, आपातकालीन स्थिति में जिला आपदा नियंत्रण कक्ष के नंबर 05444-297645 एवं आपदा हेलपलाइन 1077 पर दें सूचना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०), सोनभद्र द्वारा अवगत कराया गया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम केंद्र लखनऊ द्वारा जारी मौसम

तेज हवा एवं वृद्धापात के दौरान खुले मैदान, पेड़ों, बिजली के खंभों, टिनशेड तथा कमजोर होड़िंग के नीचे खड़े न हों और किसी सुरक्षित पक्के भवन में शरण लें। किसान भाई मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए फसलों की कटाई एवं मड़ाई का कार्य सावधानीपूर्वक करें तथा खुले में रखे अनाज को सुरक्षित करने की व्यवस्था करें। आकाशीय बिजली की चेतावनी मिलने पर खुले खेतों में न रुकें। नदी, नालों, जलशायों, बांधों एवं जलप्रपातों वें आसपास



पूर्वानुमान एवं प्रभाव आधारित चेतावनी के अनुसार बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहे निम्न दबाव क्षेत्र के आगामी दिनों में चक्रवाती तूफान में तीव्र होने की संभावना है। इसके प्रभाव से प्रदेश के मौसम में बदलाव होने तथा दिनांक 28 अक्टूबर, 2026 से बेमौसम वर्षा का एक ओर और दूर शुरू होने की संभावना व्यक्त की गई है। उक्त पूर्वानुमान के दृष्टिगत जनपद सोनभद्र में 28 अक्टूबर को गरज-चमक एवं वृद्धापात के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने तथा झोंकों की गति 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। वहीं, 29, 30 एवं 31 अक्टूबर को तेज हवाओं, गरज-चमक एवं वृद्धापात के साथ भारी वर्षा होने की संभावना जताई गई है। जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा जनपदवासियों से अपील की गई है कि मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान एवं चेतावनी को गंभीरता से लेते हुए सतर्कता बरतें तथा संभावित आपदा से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां अपनाएं।

अनावश्यक रूप से जाने से बचें तथा वर्षा के दौरान तेज बहाव वाले पानी को पार करने का प्रयास न करें। कच्चे एवं जर्जर भवनों में रहने वाले लोग विशेष सतर्कता बरतें और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थान पर चले जाएं। बिजली कड़कने के दौरान खुले स्थानों, ऊंचे पेड़ों एवं जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहें तथा विद्युत उपकरणों का उपयोग सावधानीपूर्वक करें। उन्होंने जनपदवासियों से यह भी अपील की कि मौसम संबंधी नवीनतम जानकारी एवं चेतावनियों के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग के आधिकारिक माध्यमों तथा मौसम, दामिनी एवं मेघदूत ऐप का उपयोग करें।

किसी भी आपातकालीन स्थिति में जिला आपदा नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 05444-297645 अथवा आपदा हेलपलाइन 1077 पर सूचना दें। जनपदवासी अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल अधिकृत मौसम एवं प्रशासनिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें। स्वयं तथा अपने परिवार की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक सावधानियां अपनाएं।

महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह में डॉ. शशांक शुक्ल 'ऋषि सम्मान' से सम्मानित, वाल्मीकि रामायण भारतीय संस्कृति, सत्य, धर्म और मानवीय आदर्शों का शाश्वत महाकाव्य: डॉ. राजा पाठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के



समिति एवं गुप्तकाशी विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को नगर पालिका परिषद, सोनभद्र नगर के सभागार में आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह एवं 'ऋषि सम्मान' अलंकरण कार्यक्रम का गरिमापूर्ण आयोजन किया गया। समारोह में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभागाध्यक्ष डॉ. शशांक शुक्ल को साहित्यिक एवं बौद्धिक योगदान के लिए 'ऋषि सम्मान' से सम्मानित किया गया।

सहायक प्राध्यापक डॉ. राजा पाठक रहे तथा अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार पं. पारस नाथ मिश्र ने की। समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. शशांक शुक्ल ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण जैसे कालजयी महाकाव्य की रचना कर भारतीय साहित्य, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना को अमूल्य धरोहर प्रदान की। संस्कृत के प्रथम महाकाव्य रामायण की रचना के कारण ही महर्षि वाल्मीकि को 'आदिकवि' के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त है। उनकी काव्य-

साधना भारतीय जीवन-मूल्यों, मर्यादा और मानवीय संवेदनाओं की अनुपम अभिव्यक्ति है। मुख्य अतिथि डॉ. राजा पाठक ने महर्षि वाल्मीकि की तपस्या, साधना और अदम्य संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका जीवन आत्मानुशासन, धैर्य और साधना की पराकाष्ठा का प्रतीक है। वहीं, समारोह की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार पं. पारस नाथ मिश्र ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि की रामायण सत्य, धर्म और सदाचार का शाश्वत संदेश देती है।

उनका साहित्य मानवता को नैतिकता, कर्तव्यबोध और आदर्श जीवन-पथ पर चलने की प्रेरणा प्रदान करता है।

इस अवसर पर गुप्तकाशी विकास परिषद, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष पं. आलोक कुमार चतुर्वेदी, राष्ट्रीय संवेतना समिति के निदेशक जगदीश पंथी, आशुतोष 'मुवा', अनूप मिश्रा, कौसल्या देवी, अनुपमा वाणी, डॉ. लखन राम जंगली, प्रेम मिश्रा, वीरेंद्र देव पाण्डेय, संजय शुक्ला, मनकामना शुक्ला एवं राजकुमार जालान सहित अनेक साहित्यकार, बुद्धिजीवी और संस्कृति-प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल एवं प्रभावी संचालन भोला नाथ मिश्र ने किया।

थाना पन्नागंज पुलिस द्वारा 08 वारण्टियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निदेशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रणवाल वें पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी सदर सुधीर सिंह के कुशल निदेशन में थाना पन्नागंज पुलिस द्वारा वारण्टियों की गिरफ्तारी हेतु गठित टीम ने दिनांक 26.10.2026 को कुल 08 वारण्टियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार वारण्टियों को नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर माननीय न्यायालय सोनभद्र भेजा गया। गिरफ्तार वारण्टियों का नाम व पता- 1. राहुल पुत्र परमेश्वर, निवासी

ग्राम बभनगंवा, थाना पन्नागंज, जनपद सोनभद्र। 2. अजरुदीन उर्फ बल्लू अली पुत्र चुनम अली, निवासी ग्राम रामगढ़, थाना पन्नागंज, जनपद सोनभद्र। 3. अखिलेश पुत्र विष्णु चौहान निवासी ग्राम परसौदी थाना पन्नागंज जनपद सोनभद्र। 4. विमलेश कुमार पुत्र सुखदेव, निवासी ग्राम हरनखुरी, थाना पन्नागंज, जनपद सोनभद्र। 5. रामअशीष पुत्र रामप्रसाद, निवासी ग्राम सुभावा, थाना पन्नागंज, जनपद सोनभद्र। 6. भोला पुत्र रामजी, निवासी ग्राम रामगढ़, थाना पन्नागंज, जनपद सोनभद्र। 7. राम आधार जायसवाल पुत्र देव नंदन, निवासी ग्राम बकवार, थाना पन्नागंज, जनपद सोनभद्र। 8. श्रीमती खतरानी पत्नी श्री राम पासवान, निवासी ग्राम

बनौली, थाना पन्नागंज, जनपद सोनभद्र। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम- 1. प्रभारी निरीक्षक श्रीनिवास पाण्डेय, थाना पन्नागंज जनपद सोनभद्र। 2. उ०नि० अवधेश सिंह, उ०नि० शिवबदन यादव, उ०नि० सुभाष यादव, उ०नि० शशिकांत सिंह, उ०नि० सुभाष चंद्र यादव, उ०नि० देवेंद्र कुमार सिंह, उ०नि० सर्वेश पाण्डेय थाना पन्नागंज जनपद सोनभद्र। 3. हे०का० राम निवास यादव, हे०का० राम अशीष सिंह यादव, हे०का० नरेंद्र सिंह यादव, हे०का० राघोबेन्द्र सरकार थाना पन्नागंज जनपद सोनभद्र। 4. का० लवकुश खरवार, का० नरेंद्र कुमार, का० गंगेश कुमार मिश्रा, म०का० रश्मि शुक्ला थाना पन्नागंज जनपद सोनभद्र।

राबट्सगंज मतदाता सूची में 4180 दोहरे नामों का दावा, सपा ने उठाए सवाल, पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा ने एई में 51,386 नाम काटे जाने का लगाया आरोप, भौतिक सत्यापन की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) विशेष गहन पुनरीक्षण सोनभद्र। सोमवार को (एसआईआर) वें नाम पर

कार्रवाई करने की मांग उठाई। अविनाश कुशवाहा ने कहा कि



निर्वाचन के लिए मतदाता सूची का शुद्ध होना जरूरी है। किसी भी मतदाता का नाम सूची से नहीं छूटना चाहिए और आपात प्रविष्टियां भी नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने एसआईआर वें तहत हटाए गए

राबट्सगंज विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में दोहरे नामों और कथित फर्जी प्रविष्टियों को लेकर समाजवादी पार्टी ने सवाल उठाए हैं। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा ने रविवार को राबट्सगंज के विकास नगर स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से वार्ता के दौरान 4180 ऐसे नाम होने का दावा किया, जिनमें नाम, पता, पिता का नाम और उम्र समान होने के बावजूद अलग-अलग मतदाता पहचान पत्र संख्या दर्ज हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि

राबट्सगंज विधानसभा क्षेत्र में विपक्ष के 51,386 मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पूर्व विधायक ने बताया कि इस संबंध में उन्होंने एक दिन पहले जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी को पत्र सौंपकर विधानसभा क्षेत्र के सभी बुधों पर मतदाता सूची का भौतिक सत्यापन कराने की मांग की थी। उन्होंने बीएलओ के माध्यम से घर-घर जांच कराने और दोहरे अथवा अपात्र नाम मिलने पर निर्वाचन नियमों के अनुसार

मतदाताओं की फोटोयुक्त सूची सभी राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराने की मांग की, ताकि उसका भौतिक सत्यापन कराया जा सके। उन्होंने नए मतदाताओं के पंजीकरण में भी अनियमितता का आरोप लगाया। कहा कि कुछ बीएलओ द्वारा फार्म-6 जमा करने वाले आवेदकों को प्राप्ति रसीद नहीं दी जा रही है। उन्होंने आवेदकों का पारदर्शी निस्तारण कराने और पात्र लोगों को मतदान के अधिकार से वंचित होने से बचाने की मांग की।

डायट परिसर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन, वर-वधुओं ने लिए सात फेरे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिले के उरमौरा स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) परिसर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का विवाह पूरे रीति-रिवाज के साथ संपन्न कराया गया। समारोह में प्रशासन और समाज कल्याण विभाग की ओर से विवाह की सभी व्यवस्थाएं



की गई। नवविवाहित जोड़ों को शासन की योजना वें तहत निर्धारित सहायता एवं उपहार सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। कार्यक्रम स्थल पर अधिकारी, जनप्रतिनिधि और वर-वधुओं के परिजन मौजूद रहे। नवदंपतियों को सुखमय वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दी गई।



NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेंस सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लांट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रॉनिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोट: फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480



स्पोर्ट्स



सुबह या शाम, कब नहाना बेहतर, क्या रोज नहाना जरूरी है, डॉक्टर से समझें बेदिंग साइंस, नहाते हुए न करें ये 7 गलतियां

नयी दिल्ली। नहाना हमारी दिनचर्या का अहम हिस्सा है। कुछ लोग सुबह नहाकर ताजगी और ऊर्जा के साथ दिन की शुरुआत करना पसंद करते हैं। कुछ लोग दिनभर की थकान, पसीने और तनाव से राहत पाने के लिए शाम को नहाते हैं। साल 2019 में 'स्लीप मेडिसिन रिव्यूज' में एक सिस्टमैटिक रिव्यू और मेटा-एनालिसिस पब्लिश हुआ। इसके मुताबिक, सोने से 1-2

खानपान, पर्याप्त नींद और नियमित एक्सरसाइज भी जरूरी है। सवाल- क्या रोज नहाना जरूरी है? जवाब- यह मौसम, फिजिकल एक्टिविटी, पसीने और स्किन टाइप पर निर्भर करता है। गर्मी में ज्यादा पसीना आने या एक्सरसाइज करने पर रोज नहाना बेहतर है। ठंडे मौसम में कम पसीना आने पर नहाने की जरूरत अलग हो सकती है। हालांकि, शरीर के उन हिस्सों

मौसम और अपनी सहनशीलता के अनुसार चुनें। सवाल- डॉक्टर और एक्सपर्ट किस समय नहाने की सलाह देते हैं? जवाब- नहाने का समय व्यक्ति की दिनचर्या, काम और जरूरतों पर निर्भर करता है। डॉक्टर सभी लोगों के लिए किसी एक समय नहाने की सलाह नहीं देते, जैसेकि- दिन की शुरुआत ताजगी के साथ करना चाहते हैं तो सुबह नहा सकते हैं। दिनभर धूल, पसीने

और प्रदूषण के संपर्क में रहते हैं तो शाम को नहाना बेहतर है। सवाल- सुबह नहाने से शरीर को क्या फायदे होते हैं? जवाब- सुबह नहाने से ताजगी महसूस होती है और सुस्ती कम होती है। सुबह नहाने वे फायदे:- गंदगी, पसीना साफ होता है। त्वचा के रोम खुलते हैं। नींद, सुस्ती दूर होती है। मन तरोताजा होता है। दिनभर एनेर्जेटिक रहते हैं। फोकस बेहतर होता है। गर्मी में ठंडक मिलती है। दिनचर्या नियमित होती है।



घंटे पहले गुनगुने पानी से नहाने से स्लीप क्वालिटी बेहतर हो सकती है। वहीं, सुबह नहाने से ताजगी महसूस होती है। ऐसे में सवाल है कि सेहत के लिहाज से सुबह या शाम, किस समय नहाना बेहतर है? 'जरूरत की खबर' में आज नहाने के समय पर विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- नहाने का अच्छी सेहत से क्या कनेक्शन है? सुबह और शाम में नहाने के क्या फायदे हैं? विषय को समझे एक्सपर्ट- डॉ. बांकी दीवान, सीनियर फिजिशियन, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम सर। सवाल- नहाना का अच्छी सेहत से क्या कनेक्शन है? जवाब- नहाना सिर्फ शरीर की

की नियमित सफाई जरूरी है, जहां पसीना और गंदगी ज्यादा जमा होती है। सवाल- सुबह नहाना बेहतर है या शाम को? जवाब- एक्सपर्ट्स किसी एक समय को सभी के लिए बेहतर नहीं मानते। यह व्यक्ति की दिनचर्या, मौसम, काम और स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। इसलिए नहाने का समय अपनी जरूरत और सुविधा के अनुसार तय किया जा सकता है। नहाने का कोई एक 'फिक्स' टाइम सभी पर लागू नहीं होता। सुबह या शाम, दोनों समय नहाने के अपने फायदे हैं। इसलिए अपनी दिनचर्या, मौसम, जरूरत और सेहत के मुताबिक नहाने की आदत डालें। हाइजीन का ध्यान

बढ़ती है। हालांकि, बहुत ठंडे पानी से नहाना हर किसी के लिए सही नहीं है। खासकर हार्ट डिजीज वाले लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए। सवाल- क्या सुबह नहाने से स्किन ज्यादा ड्राई हो सकती है? जवाब- आमतौर पर नहीं, लेकिन गर्म पानी से नहाने, लंबे समय तक शॉवर लेने या ज्यादा साबुन के इस्तेमाल से स्किन का नेचुरल मॉइस्चर कम हो सकता है। इससे स्किन ड्राई हो सकती है। इसलिए अगर स्किन पहले से ड्राई है तो नहाने के बाद मॉइस्चराइजर लगाएं। सवाल- शाम को नहाने से क्या फायदे होते हैं? जवाब- इससे दिनभर शरीर पर जमा पसीना, धूल-मिट्टी और प्रदूषण के कण

लिए सुबह नहाना बेहतर है। सवाल- किन लोगों के लिए शाम को नहाना बेहतर विकल्प है? जवाब- जो लोग दिनभर बाहर रहते हैं, ज्यादा हार्ड वर्क करते हैं या धूल-प्रदूषण के संपर्क में रहते हैं, उनके लिए शाम को नहाना बेहतर है। सवाल- क्या बार-बार नहाने से स्किन को नुकसान होता है? जवाब- हां, ज्यादा नहाने से स्किन का मॉइश्चर कम हो सकता है। इससे ड्राईनेस और जलन की समस्या हो सकती है। सवाल- क्या मौसम बदलने पर नहाने की आदत भी बदलनी चाहिए? जवाब- हां, मौसम के अनुसार नहाने का समय और पानी का तापमान बदलना बेहतर है। सवाल- गर्मियों में नहाने का सबसे अच्छा समय क्या है? जवाब- गर्मियों में सुबह नहाना बेहतर माना जाता है। अगर दिनभर ज्यादा पसीना आए या बाहर से लौटने पर शरीर चिपचिपा महसूस हो, तो शाम को भी नहा सकते हैं। सवाल- किन लोगों को दिन में दो बार जरूर नहाना चाहिए? जवाब- जो लोग धूल-मिट्टी या प्रदूषित इलाके में काम करते हैं, उन्हें दिन में दो बार नहाना चाहिए। इन्हें दिन में 2 बार नहाना चाहिए? जो एथलीट हैं। जो रेगुलर जिम जाते हैं। जिन्हें ज्यादा पसीना आता है। जो फैक्ट्री में काम करते हैं। जो खुले में काम करते हैं। जो गर्म इलाकों में रहते हैं। नहाते हुए न करें ये गलतियां:- ज्यादा देर तक शॉवर न लें। ज्यादा गर्म पानी से नहाएं। मॉइस्चराइजर लगाना न भूलें। गीले बाल न बांधें। बहुत ज्यादा साबुन न लगाएं। स्किन को जोर से न रगड़ें। गीला तौलिया यूज न करें। नहाने से जुड़े कामों में सवाल-जवाब:- सवाल- क्या रात में नहाने के बाद गीले बालों में सोना नुकसानदायक है? जवाब- हां, गीले बालों में सोने से बाल टूट सकते हैं, उलझ सकते हैं और स्कैल्प से जुड़ी कुछ समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए बालों को अच्छी तरह सुखाकर ही सोना चाहिए। सवाल- क्या खाना खाने के तुरंत बाद नहाना सही है? जवाब- नहीं, खाना खाने के तुरंत बाद नहाने से बचना चाहिए। बेहतर है कि भोजन के बाद कुछ समय का अंतर रखकर नहाएं। सवाल- क्या एक्सरसाइज के तुरंत बाद नहाना सही है? जवाब- नहीं, कुछ मिनट रुकें। जब शरीर का तापमान और सांस सामान्य हो जाएं, तब नहाएं। सवाल- क्या पसीना आने के तुरंत बाद ठंडे पानी से नहाना सही है? जवाब- नहीं, पसीना आने के तुरंत बाद ठंडे पानी से नहाने से बचना चाहिए। पहले शरीर को कुछ मिनट सामान्य होने दें, फिर नहाएं। सवाल- क्या बुखार में नहाना चाहिए? जवाब- हां, नहा सकते हैं, लेकिन बहुत ठंडे या गर्म पानी से नहाने से बचें। सवाल- सर्दियों में नहाने का सबसे अच्छा समय क्या है? जवाब- धूप निकलने के बाद का समय बेहतर रहता है। सवाल- क्या सर्दियों में रोज नहाना जरूरी है? जवाब- यह व्यक्ति की जरूरत पर निर्भर करता है। सवाल- क्या बच्चों को रोज नहलाना जरूरी है? जवाब- नहीं, छोटे बच्चों को हफ्ते में दो से तीन बार नहलाना पर्याप्त है। सवाल- बच्चों को किस समय नहलाना बेहतर होता है? जवाब- बच्चों को दिन में ऐसे समय नहलाना चाहिए, जब मौसम शरीर के अनुकूल हो। सवाल- गर्भवती महिलाओं के लिए नहाने का सही समय क्या है?

जवाब- इसके लिए कोई तय समय नहीं है। वे अपनी सुविधा और दिनचर्या के अनुसार नहा सकती हैं। सवाल- क्या बीमार होने पर रोज नहाना चाहिए? जवाब- यह बीमारी और व्यक्ति की स्थिति पर निर्भर करता है। अगर तबीयत ठीक लगे तो नहा सकते हैं। सवाल- एक्जिमा या ड्राई स्किन वाले लोगों को कब नहाना चाहिए? जवाब- दिन में किसी भी समय नहा सकते हैं।

आईपीएल ऑक्शन 16 दिसंबर को गोवा में होगा, इसी दिन भारत और श्रीलंका मैच

स्पोर्ट डेस्क। आईपीएल के 2027 सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 16 दिसंबर को गोवा में होगी। इससे पहले सभी 10 टीमों को 15 नवंबर तक बताना होगा कि वे अपने मौजूदा खिलाड़ियों में से किन्हें अपने साथ बनाए रखना चाहती हैं। 16 दिसंबर को ही भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा वनडे बैंगलुरु में खेला जाना है। श्रीलंका की टीम 13 दिसंबर से भारत के



दौर पर रहेगी। इसमें 3 वनडे और 3 टी-20 खेले जाएंगे। पिछली तीन नीलामियां भारत से बाहर हुई थीं। 2024 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी दुबई, 2025 के लिए सऊदी अरब के जेद्दा और 2026 के लिए अबू धाबी में आयोजित की गई थी। नीलामी में हर टीम के मालिकों

और अधिकारियों के अलावा कोचिंग स्टाफ तथा खिलाड़ियों की भर्ती से जुड़े प्रतिनिधि शामिल होते हैं। इतने लोगों के लिए

को बनाए रखने की समय-सीमा खत्म होने के बाद छ्छ सभी प्रेंचाइजियों को नीलामी में उपलब्ध खिलाड़ियों की लिस्ट भेजेगा। टीमें इस सूची में से उन खिलाड़ियों को चुनेंगी जिन पर वे बोली लगाना चाहती हैं। इसके बाद अंतिम सूची तैयार होगी और नीलामी से पहले खिलाड़ियों के अलग-अलग सेटों में आने का क्रम भी बताया जाएगा। इस प्रक्रिया का मतलब है कि नीलामी के दिन ही टीमें पहली बार खिलाड़ियों के नाम नहीं देखेंगी। वे पहले से अपनी जरूरतों का आकलन करेंगी। जैसे किसी टीम को तेज गेंदबाज चाहिए, किसी को बीच के ओवरों में विकेट लेने वाला स्पिनर और किसी को दबाव में तेजी से रन बनाने वाला बल्लेबाज। इसके बाद तय बजट के हिसाब से खिलाड़ियों पर बोली लगाई जाएगी। इसीलिए बीसीसीआई ने ऑक्शन और रिटेंशन के नीचे एक महीने का गैप रखा है।

विराट-अनुष्का मुंबई में भजन कॉन्सर्ट में झुमें

स्पोर्ट डेस्क। विराट कोहली और अनुष्का शर्मा रविवार को मुंबई में कृष्णा दास के कीर्तन में पहुंचे। दोनों भक्ति गीत गाते दिखे। इसका वीडियो वायरल है। 13 सेकेंड के इस वीडियो में अनुष्का ताली बजाते और भक्ति मंत्रों के साथ गाते नजर आईं। विराट कुछ देर कैमरे की ओर देखने के बाद फिर भक्ति संगीत में शामिल हो गए। विराट-अनुष्का कीर्तन में जाने से पहले गेटवे ऑफ इंडिया पहुंचे थे। यह कार्यक्रम कृष्णा दास के भारत दौरे का हिस्सा था। यह पहली बार नहीं है, जब विराट और अनुष्का कृष्णा दास के कीर्तन में शामिल हुए हैं। दोनों जुलाई 2026 में लंदन के यूनिन चैपल में हुई एक प्रार्थना सभा में भी पहुंचे थे। दोनों को भारत और विदेशों में आध्यात्मिक जगहों पर जाते और धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होते देखा गया है। विराट कोहली और अनुष्का शर्मा संत प्रेमनंद महाराज के भक्त हैं और कई बार वृंदावन में उनके दर्शन के लिए जा चुके हैं। पिछली बार दोनों गुरु पूर्णिमा से पहले 22 जुलाई को नए आश्रम यमुना विहार कुज पहुंचे थे।

क्या आपको हार्ट अटैक का रिस्क है, कैल्शियम स्कोर टेस्ट से पता चलेगा, डॉक्टर से जानें इससे जुड़े हर जरूरी सवाल का जवाब

नोएडा। 'अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' के मुताबिक, भारत में होने वाली हर चार में से एक मौत का कारण हार्ट और ब्रड वेसल्स से जुड़ी बीमारियां हैं। चिंता की बात यह है कि कई बार इन बीमारियों का पता तब चलता है, जब स्थिति गंभीर हो जाती है। लेकिन क्या हो, अगर समय रहते हार्ट डिजीज के खतरे का अंदाजा लगाया जा सके? कैल्शियम स्कोर टेस्ट इसमें मददगार हो सकता है। यह टेस्ट हार्ट की आर्टरीज में जमा कैल्शियम का पता लगाता है, जिससे समय रहते कोरोनरी आर्टरी डिजीज (सीएडी) के जोखिम का पता चलता है। इसलिए आज 'फिजिकल हेल्थ' में कैल्शियम स्कोर टेस्ट के बारे में बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-किन लोगों को कैल्शियम स्कोर टेस्ट कराना चाहिए? क्या इस टेस्ट के कोई साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं? विषय को समझे एक्सपर्ट- डॉ. समीर गुप्ता, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट, मेट्रो ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- कैल्शियम स्कोर टेस्ट क्या है और ये हार्ट डिजीज का पता कैसे लगाता है? जवाब- यह एक खास तरह का सीटी स्कैन है। इसे कोरोनरी आर्टरी कैल्शियम (सीएसी) टेस्ट भी कहते हैं। यह टेस्ट हार्ट तक लड़क पहुंचाने वाली धमनियों में जमा प्लाक का पता लगाता है। इसे ऐसे समझिए- जब धमनियों में प्लैट, कोलेस्ट्रॉल और कैल्शियम जमा होने लगता है, तो उसे 'प्लाक' कहते हैं। समय के साथ यह प्लाक कैल्सिफाइड (सख्त) हो जाता है। इससे आर्टरीज सिकुड़ सकती हैं या ब्लॉक हो सकती हैं, जिसके कारण हार्ट अटैक का रिस्क बढ़ जाता है। यह स्कैन कुछ ही मिनटों में यह माप लेता है कि धमनियों में कितना कैल्शियम जमा है। इसके आधार पर एक स्कोर मिलता है। स्कोर जितना ज्यादा होता है, हार्ट की धमनियों के ब्लॉकेज होने का और हार्ट अटैक का रिस्क उतना ही ज्यादा माना जाता है। सवाल- किन लोगों को कैल्शियम स्कोर टेस्ट करवाना चाहिए? जवाब- डॉक्टर आमतौर पर यह टेस्ट उन लोगों को टेस्ट करवाने की सलाह देते हैं, जिन्हें हार्ट डिजीज का रिस्क ज्यादा होता है। कैल्शियम स्कोर टेस्ट किनके लिए जरूरी है? जिनकी उम्र 40-70 के बीच है। जिनकी हार्ट डिजीज की फैमिली हिस्ट्री है। जिनका कोलेस्ट्रॉल हाई रहता है। जिनका बीपी हाई रहता है। 5 जिन्हें डायबिटीज है। जो धूम्रपान करते हैं। जो ओबीज/ओवरवेट हैं। जिनकी लाइफस्टाइल सिडेंटरी है। जो शराब पीते हैं। सवाल- कैल्शियम स्कोर टेस्ट की पूरी प्रक्रिया क्या है? जवाब- यह एक नॉन-इन्वेसिव सिटी स्कैन है। इसमें शरीर पर कोई चीरा नहीं लगाया

जाता और आमतौर पर इंजेक्शन या कंट्रास्ट डाई की जरूरत नहीं पड़ती। इसकी प्रक्रिया ऐसे समझिए-मरीज को सिटी स्कैन की टेबल पर पीठ के बल लिटाया जाता है। सीने पर ईसीजी के छोटे पैच लगाए जाते हैं, ताकि स्कैन के दौरान दिल की धड़कन पर नजर रखी जा सके। टेबल धीरे-धीरे स्कैनर के अंदर जाती है। मशीन हार्ट की तस्वीरें लेती है। इस दौरान कुछ सेकेंड के

की आर्टरीज में कैल्शियम जमा शुरु हो गया है। ऐसे में तुरंत कार्डियोलॉजिस्ट से मिलकर सलाह लें। डॉक्टर जरूरत के अनुसार कोलेस्ट्रॉल, ब्रड प्रेशर और दूसरी जांच की सलाह दे सकते हैं। जरूरत पड़ने पर कोलेस्ट्रॉल कम करने वाली दवाएं दे सकते हैं। इसके साथ ही खानपान में बदलाव करें। डाइट में फाइबर, हरी सब्जियां और फल शामिल करें। अल्ट्राप्रोसेस

कोलेस्ट्रॉल की दवा लेने की जरूरत नहीं होती? जवाब- ऐसा जरूरी नहीं है। जोरी स्कोर का मतलब है कि जांच में हार्ट की धमनियों में कैल्शियम नहीं मिला। लेकिन इससे हार्ट डिजीज का खतरा पूरी तरह खत्म नहीं होता। कुछ लोगों में बिना कैल्शियम वाला प्लाक भी हो सकता है। अगर एलडीएल कोलेस्ट्रॉल बहुत ज्यादा है, डायबिटीज है या हार्ट डिजीज की फैमिली हिस्ट्री है, तो डॉक्टर दवा लेने की सलाह दे सकते हैं। इसलिए जोरी स्कोर के आधार पर खुद से दवा बंद न करें। सवाल- क्या यह टेस्ट महंगा होता है? जवाब- हां, यह एक एडवांस्ड सीटी स्कैन है। इसलिए इसकी कीमत सामान्य ब्रड टेस्ट या साधारण एक्स-रे के मुकाबले ज्यादा है। भारत में आमतौर पर यह टेस्ट 2-6 हजार के बीच है। सवाल- किन लोगों को ये टेस्ट करवाने की जरूरत नहीं होती है? जवाब- कुछ स्थितियों में यह टेस्ट कराने से खास फायदा नहीं मिलता या इसे टालने की सलाह दी जा सकती है, जैसेकि- जिन्हें पहले से हार्ट डिजीज है, हार्ट अटैक आ चुका है, स्ट्रेट लगा है या बाइपास सर्जरी हुई है, तो कैल्शियम स्कोर टेस्ट से आमतौर पर अतिरिक्त जानकारी नहीं मिलती। ऐसे मरीजों की जांच और इलाज उनकी स्थिति के अनुसार तय होता है। कम जोखिम वाले स्वस्थ लोग-जिनमें हार्ट डिजीज के रिस्क फैक्टर नहीं हैं, उन्हें आमतौर पर यह टेस्ट कराने की जरूरत नहीं होती। टेस्ट की जरूरत उम्र, कोलेस्ट्रॉल और अन्य रिस्क फैक्टर के आधार पर तय की जाती है। प्रेनेट महिलाएं-इस टेस्ट में रेडिएशन का इस्तेमाल होता है। इसलिए प्रेग्नेंसी के दौरान ये टेस्ट नहीं किया जाता है। सवाल- हार्ट को हेलदी रखने के लिए लाइफस्टाइल में क्या बदलाव करें? जवाब- हार्ट को स्वस्थ और मजबूत बनाए रखने के लिए लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव बेहद जरूरी हैं हार्ट को हेलदी कैसे रखें-फल-सब्जियां ज्यादा खाएं। साबुत अनाज खाएं। अल्ट्राप्रोसेसड फूड न खाएं। वजन हमेशा कंट्रोल में रखें। रोज फिजिकल एक्टिविटी करें। ब्रड शुगर कंट्रोल रखें। शराब बिल्कुल न पिएं। रेगुलर हेल्थ चेकअप कराएं। तनाव को मैनेज करें। 7-8 घंटे की नींद लें। स्मोकिंग, तंबाकू से दूर रहें। नमक-चीनी कम खाएं। कैल्शियम स्कोर टेस्ट हार्ट डिजीज के जोखिम का आकलन करने में मदद करता है। हालांकि, यह टेस्ट हर व्यक्ति के लिए जरूरी नहीं है और न ही इससे हार्ट अटैक का खतरा पूरी तरह खत्म किया जा सकता है। हार्ट को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित डाइट, नियमित एक्सरसाइज, पर्याप्त नींद, स्वस्थ वजन और तंबाकू से दूरी जरूरी है।



लिए सांस रोकने को कहा जा सकता है। इन तस्वीरों से डॉक्टर कोरोनरी आर्टरीज में जमा कैल्शियम की मात्रा मापते हैं और कैल्शियम स्कोर तय करते हैं। इस टेस्ट में आमतौर पर 10-15 मिनट लगते हैं। सवाल- कैल्शियम स्कोर टेस्ट के समय क्या सावधानियां जरूरी हैं? जवाब- इस टेस्ट के लिए आमतौर पर खास तैयारी की जरूरत नहीं होती। लैब सेंटर के निर्देशों का पालन करना और डॉक्टर को अपनी दवाओं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जानकारी देना सबसे जरूरी है। कैल्शियम स्कोर टेस्ट की सावधानियां:-प्रेग्नेंसी की संभावना हो तो बताएं। अपनी दवाओं की जानकारी दें। पुरानी जांचों की रिपोर्ट साथ रखें। पहले सिटी स्कैन कराया है तो बताएं। बिना जरूरत टेस्ट न कराएं। रेडिएशन से जुड़े सवाल पुछें। लैब के निर्देशों का पालन करें। सवाल- कैल्शियम स्कोर टेस्ट का रिजल्ट कैसे पता चलता है? जवाब- इसे पॉइंट्स से समझिए-टेस्ट में हार्ट की आर्टरीज में जमा कैल्शियम की मात्रा के आधार पर एक स्कोर मिलता है। यह स्कोर 0-400 या इससे ज्यादा हो सकता है। स्कोर बढ़ने के साथ कोरोनरी आर्टरी डिजीज (सीएडी) का जोखिम भी बढ़ता जाता है। सवाल- सामान्य कैल्शियम स्कोर क्या होता है? जवाब- अगर किसी का कैल्शियम स्कोर शून्य है तो इसका मतलब है कि उसे अगले दो से पांच सालों में हार्ट अटैक का रिस्क बहुत कम है। इसे 'नेगेटिव स्कैन' भी कहते हैं। इसमें हार्ट की आर्टरीज में कैल्शियम नहीं होता है। हालांकि डॉक्टर इसके अलावा अन्य रिस्क फैक्टर भी चेक करते हैं। सवाल- अगर रिजल्ट पॉजिटिव है तो क्या करना चाहिए? जवाब- इसका मतलब है कि हार्ट

फूड न खाएं। नियमित रूप से एक्सरसाइज (जैसे वॉक, योग या कार्डियो) करें। अगर स्मोक करते हैं या शराब पीते हैं तो उसे तुरंत छोड़ दें। ध्यान रखें, पॉजिटिव रिजल्ट का मतलब यह नहीं है कि हार्ट की धमनियां पूरी तरह ब्लॉक हैं। आगे का इलाज कैल्शियम स्कोर और अन्य रिस्क फैक्टर पर निर्भर करता है। कैल्शियम स्कोर टेस्ट हार्ट की आर्टरीज में छिपे खतरों का समय से पहले पता लगाने का सबसे सटीक और आसान तरीका है। इससे भविष्य में हार्ट डिजीज के खतरे से बचा जा सकता है और इलाज में भी आसानी होती है। सवाल- क्या इस टेस्ट के कोई साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं? जवाब- यह टेस्ट आमतौर पर सुरक्षित होता है। इसमें कम मात्रा में रेडिएशन का इस्तेमाल होता है। जिससे जोखिम बहुत कम रहता है। हालांकि, बार-बार टेस्ट कराने से रेडिएशन का एक्सपोजर बढ़ सकता है। सवाल- कैल्शियम स्कोर टेस्ट कितनी बार करा सकते हैं? जवाब- यह डॉक्टर की सलाह पर निर्भर करता है। अगर एक बार टेस्ट हो चुका है और आपका स्कोर सामान्य या कम है, तो डॉक्टर इसे 3-5 साल बाद दोबारा कराने की सलाह देते हैं। अगर स्कोर ज्यादा है, तो डॉक्टर ट्रीटमेंट या फॉलो-अप टेस्ट्स पर फोकस करते हैं। सवाल- क्या 'जीरो' स्कोर का मतलब यह है कि हार्ट डिजीज का रिस्क बिल्कुल नहीं है? जवाब- इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि भविष्य में कभी हार्ट डिजीज नहीं होगी। दरअसल नॉन-कैल्सिफाइड प्लाक शुरुआती चरण में इस स्कैन में नजर नहीं आते। इसलिए हमेशा हेल्दी लाइफस्टाइल बनाए रखना जरूरी है। सवाल- क्या कैल्शियम स्कोर जीरो होने पर

इन्हें दिन में 2 बार नहाना चाहिए ?

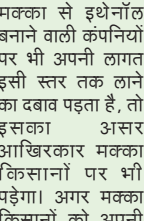


सफाई के लिए ही नहीं, बल्कि सेहत के लिए भी जरूरी है। रेगुलर नहाने से स्किन पर जमा धूल-मिट्टी, पसीना और एलर्जिक्स साफ होते हैं। इसके अलावा शरीर में ताजगी महसूस होती है। तनाव दूर होता है। स्किन पर जमा गंदगी से होने वाली प्रॉलैप्स का रिस्क कम होता है। हालांकि, अच्छी सेहत के लिए नहाने वे साथ संतुलित

रखें। सवाल- ठंडे पानी से नहाना अच्छा है या गुनगुने पानी से? जवाब- दोनों के अपने फायदे हैं। गुनगुने पानी से नहाने से मांसपेशियों को आराम मिल सकता है और स्लीप क्वालिटी बेहतर हो सकती है। ठंडा पानी गर्मी में राहत और ताजगी देता है। हालांकि, बहुत गर्म पानी से नहाने से स्किन ड्राई हो सकती है। इसलिए पानी का तापमान

साफ होते हैं। शाम को नहाने के फायदे:- धूल-मिट्टी, पसीना साफ होता है। दिनभर की थकान दूर होती है। बांड़ी मसल्स रिलैक्स होती हैं। बांड़ी का स्ट्रेस कम होता है। रात में अच्छी नींद आती है। सवाल- किन लोगों के लिए सुबह नहाना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है? जवाब- जो लोग सुबह जल्दी उठते हैं, ऑफिस या स्कूल जाते हैं, उनके

असर अब अपनी सीमा पर पहुँच चुकी है। भारत को अस्मिर उज्जवा बाजारों से खुद को अलग करने के प्रयास तेज करने होंगे। इससे पहले 20फीसीदल एथेनॉल मिश्रण अनिवार्य करने में तेजी लाएँ, औद्योगिक स्तर पर सौर ऊर्जा क्षमता को बढ़ाएँ और इंडियन स्टैटिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड (आईएसपीआरएल) के तहत घरेलू तेल भंडारों को बढ़ावा जरूरी है। वैश्विक तेल बाजार की उठापटक का सीधा असर पेट्रोल पंपों, किराना दुकानों और परिवारों के बजट पर पड़ता है। जब तक हम अपने ऊबते हुए तेल की जरूरतों का अधिकांश हितस्थ आयत करने रहेंगे, परिवहन लापरवाही और खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ती रहेंगी। (ये लेखक के अपने विचार हैं, सचिन कावगाव)



लूला दा सिल्वा चौथी बार ब्राजील के राष्ट्रपति बने, ट्रम्प समर्थक को हराया

उनके पिता को भी हरा चुके; भारत के लिए यह जीत अहम

ब्राजीलिया। सरकारी खर्च और गरीबों को मिलने वाली मदद

बढ़ाएंगे: गरीब परिवारों को आर्थिक मदद देने वाली सरकारी



जैसे मुद्दों पर संसद में टकराव हो सकता है। माना जा रहा है कि विरोधी दलों के मजबूत होने से लूला के लिए चुनावी वादे पूरे करना मुश्किल हो सकता है। लूला ने गरीबों और मजदूरों को राहत देने का वादा किया था:- चुनाव प्रचार के दौरान लूला ने गरीब परिवारों का खर्च कम करने और मजदूरों की जिंदगी बेहतर बनाने पर जोर दिया। इसके लिए उन्होंने तीन बड़े वादे किए:-सरकारी मदद 15फीसदी

योजना के तहत मिलने वाली रकम 15फीसदी बढ़ाने की बात कही। शनिवार-रविवार बस-मेट्रो का सफर मुफ्त: लूला ने वादा किया कि वीकेंड पर देशभर में सार्वजनिक परिवहन में मुफ्त सफर की सुविधा दी जाएगी। इसे लागू करने के लिए संसद की मंजूरी जरूरी होगी। गरीबी और बेरोजगारी कम करना: उन्होंने गरीब परिवारों की आर्थिक हालत सुधारने, ज्यादा रोजगार के मौके पैदा करने और मजदूरों

की जिंदगी बेहतर बनाने का वादा किया। बढ़ता कर्ज और महंगाई बढ़ाएंगे परेशानी:-लूला का नया कार्यकाल आर्थिक दबाव के बीच शुरू होगा। देश में ब्याज दरें ऊंची हैं, सरकारी कर्ज बढ़ रहा है और आम लोगों पर भी कर्ज का बोझ बढ़ा है। ब्राजील सरकार के अनुमान के मुताबिक, अगले साल आर्थिक विकास दर 2.3फीसदी रह सकती है। वहीं, सरकारी कर्ज देश की कुल अर्थव्यवस्था यानी जीडीपी के 82फीसदी से ऊपर पहुंच गया है। गोल्डमैन सैक्स के मुताबिक, लूला की सरकार के लिए अगले कार्यकाल में सरकारी खर्च को काबू करना आसान नहीं होगा। लोगों पर बढ़ते कर्ज को देखते हुए लूला ने चुनाव प्रचार के दौरान कर्ज से राहत देने की योजना पेश की थी। ऑनलाइन सड़ेंबाजी पर अस्थायी रोक लगाने का कदम भी उठाया गया। दूसरी ओर, संसद में मजबूत दक्षिणपंथी दल कारोबारियों के पक्ष में आर्थिक सुधारों की मांग कर सकते हैं। इससे सरकारी खर्च और गरीबों को मिलने वाली मदद को लेकर टकराव हो सकता है।

फ्रांस में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज, 1300 गिरफ्तार, पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी, महंगाई के खिलाफ सड़कों पर उतरे लाखों लोग

पेरिस। फ्रांस में महंगाई, स्कूलों की बढहाली और पुलिस की सख्ती के खिलाफ शनिवार को लाखों लोग सड़कों पर उतर

2 गंभीर रूप से घायल-पेरिस के अलावा लियोन, लिली, मॉन्टेपेलियर, नांत और टूलूज में भी प्रदर्शन हुए। पुलिस ने इन



आए। पेरिस समेत कई शहरों में प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पेरिस में मार्च के अंत में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस छोड़ी। गृह मंत्रालय के मुताबिक, देशभर में करीब 1300 लोगों को गिरफ्तार किया गया। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक प्रदर्शनों में करीब 4 लाख लोग शामिल हुए। दूसरी तरफ ट्रेंड यूनियनों ने 8 लाख लोगों के शामिल होने का दावा किया। पेरिस में 1.10 लाख लोग जुटे, पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी:-सरकारी अनुमान के मुताबिक, पेरिस में करीब 1.10 लाख लोगों ने मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने महंगाई, सरकार की पुलिस व्यवस्था और स्कूलों में सुविधाओं की कमी के खिलाफ आवाज उठाई। उनके हाथों में ऐसे बैनर थे, जिन पर लिखा था- 'दमन से विद्रोह पैदा होता है' और 'प्रदर्शन करना हमारा अधिकार है'। शुरुआत में प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा। इसमें छात्र, अभिभावक और बुजुर्ग भी शामिल हुए। हालांकि, मार्च खत्म होने के दौरान कुछ नकाबपोश लोगों ने पुलिस पर पत्थर और कांच की बौलें फेंकीं। कुछ जगह कुड़ेदानों में आग लगाई गई और पुलिस की ओर पटाखे फेंके गए। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस, वाटर कैनन और स्टन ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों की भीड़ पर लाठीचार्ज भी किया। मौजूद में पुलिस-प्रदर्शनकारियों में झड़प,

शहरों में प्रदर्शनकारियों को मुख्य इलाकों तक पहुंचने से रोकने के लिए आंसू गैस छोड़ी। मार्सई में भी पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं। रिपोर्ट के मुताबिक, क्लेरमों-फेरा और टूलूज में कम से कम दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए। टूलूज में एक व्यक्ति की विस्फोटक पुलिस हथियार की वजह से उगलियां कटने की खबर है। हिंसा की आशंका को देखते हुए फ्रांस के शहरों में 70 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। कई दुकानों के बाहर सुरक्षा के लिए लकड़ी के पट्टे लगाए गए और कई संग्रहालय बंद रखे गए। स्कूलों की बढहाली से शुरू हुआ आंदोलन:- फ्रांस में यह आंदोलन सितंबर में हाईस्कूल के छात्रों के प्रदर्शन से शुरू हुआ था। छात्र स्कूलों में शिक्षकों की कमी, जर्जर इमारतों, छत्तों से पानी टपकने और भीड़भरी कक्षाओं में पर्याप्त कुर्सियां नहीं होने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। धीरे-धीरे इस आंदोलन में शिक्षक, अभिभावक और ट्रेंड यूनियन भी शामिल हो गए। प्रदर्शनकारियों ने स्कूलों की हालत सुधारने के साथ महंगाई और सरकार की सख्त पुलिस व्यवस्था का मुद्दा भी उठाया।प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सरकार उनकी मांगों पर बातचीत करने के बजाय पुलिस के जरिए आंदोलन दबाने की कोशिश कर रही है। पुलिस के विस्फोटक हथियारों से कुछ छात्रों और प्रदर्शनकारियों

के घायल होने के मामलों की जांच भी चल रही है। मैक्रों सरकार पर विरोध दबाने का आरोप:-प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की सरकार पर विरोध करने के अधिकार को सीमित करने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि सरकार ने कुछ प्रदर्शनों पर रोक लगाई और प्रदर्शनकारियों को शहरों के मुख्य इलाकों से दूर रखने की कोशिश की। पेरिस में प्रदर्शन में शामिल 43 साल की नादेज ने कहा कि पिछले हफ्ते शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान उन पर आंसू गैस छोड़ी गई थी। इसके बावजूद वह दोबारा प्रदर्शन में शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि सड़क पर प्रदर्शन करना उनका कानूनी अधिकार है और वह इसे बचाने के लिए आई हैं। वहीं, पेरिस के एक साइंस कॉलेज के 21 वर्षीय छात्र ने कहा कि फ्रांस में लोगों को लगने लगा है कि सरकार उनके लोकतांत्रिक अधिकारों को रोकने की कोशिश कर रही है। पिछले हफ्ते हिंसा में 2700 लोग गिरफ्तार हुए थे:-फ्रांस में पिछले शनिवार को भी बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। उपद्रवियों ने दुकानों के शीशे तोड़े, सामान लूटा, गाड़ियों में आग लगाई और सरकारी इमारतों की निशाना बनाया। देशभर में कम से कम 2700 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इस बार सरकार को ऐसी ही हिंसा दोबारा होने का डर था। इसी वजह से बड़े पैमाने पर पुलिस तैनात की गई और कई सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा बढ़ाई गई। विपक्षी नेता ने कहा- सरकार को मांगें माननी होंगी:-वामपंथी नेता और राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ज्यॉल्यूक मेलेनशॉ भी पेरिस के प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मैक्रों को देश में बढ़ते असंतोष को दूर करने के लिए लोगों की मांगें माननी होंगी, वरना प्रदर्शन बार-बार होंगे। वहीं, ओरिलियॉ शहर में हजारों लोगों ने दक्षिणपंथी और आरक्षण विरोधी पार्टी नेशनल रैली के मांगों के खिलाफ मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने पार्टी की नेता मरीन ले पेन और मैक्रों के खिलाफ नारे लगाए।

चक्रवात अर्नब आंध्र तट की तरफ बढ़ा ,एमपी-यूपी समेत 10 राज्यों में बारिश होगी

6 लाख लोगों को हटाया जाएगा, ओडिशा में स्कूल-कॉलेज बंद

नई दिल्ली। चक्रवात अर्नब बंगाल की खाड़ी से आंध्र प्रदेश के तट की ओर बढ़ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह 27 अक्टूबर तक तूफान का रूप ले सकता है। इसके 28 अक्टूबर की सुबह आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की आशंका है। इस दौरान 140 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।आंध्र प्रदेश में करीब 6 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की तैयारी है। तटीय जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मछुआरों को 29 अक्टूबर तक समुद्र में न

जाने की सलाह दी गई है। ओडिशा में भी चक्रवात का भारी असर पड़ने की आशंका है। राहत और बचाव के लिए 60 रेस्क्यू टीमें तैनात होंगी। छह जिलों में 28 और 29 अक्टूबर को स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे। इस तूफान के असर से एमपी-यूपी समेत 10 राज्यों में बारिश की भी संभावना है। वहीं, तमिलनाडु में पिछले 3 दिनों से लगातार बारिश हो रही है। अरुन्ती के भास्कर नगर में पानी भर गया है। लोग अपने घरों में फंस गए हैं। कोडाइकनाल में पर्यटकों की एंटी पर रोक लगा दी गई है।

तिरुवारूर जिले में भी तेज बारिश हुई। हालांकि, स्कूल और कॉलेज खुले रहे। 27 अक्टूबर:- आंध्र प्रदेश में भारी बारिश का रेड अलर्ट है। ओडिशा में ऑरेंज अलर्ट है। छत्तीसगढ़, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरलम, कर्नाटक और रायलसीमा में बारिश का यलो अलर्ट है।28 अक्टूबर:-आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और ओडिशा में भारी बारिश का रेड अलर्ट है। झारखंड में बारिश का अलर्ट है। बंगाल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ

सर्बिया में छात्र संगठनों ने चुनाव जीता, पुतिन समर्थक पीएम पद के उम्मीदवार हारे-देश में 2 साल से प्रदर्शन चल रहे

बेलग्रेड।इसवेले बाद वे संसदीय चुनाव के जरिए फिर से सरकार की कमान संभालना चाहते थे। उनकी पार्टी सर्बियन प्रोग्रेसिव पार्टी ने उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया था।



सर्बिया में राष्ट्रपति देश के प्रमुख होते हैं, जबकि प्रधानमंत्री सरकार चलाते हैं। राष्ट्रपति पद पर दो कार्यकाल पूरे करने के बाद भी वुचिच प्रधानमंत्री बन सकते थे। इसी रास्ते से वे सत्ता में बने रहना चाहते थे। वुचिच पर मिलिशेविच की राह पर चलने का आरोप:-अलेक्जेंडर वुचिच ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत स्लोबोदान मिलिशेविच की सरकार में सूचना मंत्री के तौर पर की थी। उस समय वुचिच कड़ुर राष्ट्रवादी विचारों के समर्थक थे। वे 'ग्रेटर सर्बिया' बनाने की सोच का भी समर्थन करते थे। इसका मतलब था ऐसा बड़ा सर्बियाई देश बनाना, जिसमें मौजूदा सर्बिया के अलावा पड़ोसी देशों के उन इलाकों को भी शामिल किया जाए, जहां सर्ब समुदाय

के लोग रहते हैं। समय के साथ वुचिच के राजनीतिक रुख में बदलाव आया, लेकिन उनके विरोधियों का आरोप है कि उन्होंने सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत रखने

आगे की राजनीतिक बातचीत के बाद ही पूरी होगी। छात्र नेताओं ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने, सरकारी कामकाज में सुधार लाने और कानून के हिसाब से व्यवस्था चलाने का वादा किया है। अब देखना होगा कि नई सरकार इन वादों को कैसे पूरा करती है। यूरोपीय संघ की भी सर्बिया में कानून का पालन, मीडिया की आजादी और लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने जैसे मुद्दों पर नजर रहेगी। विदेश नीति में बड़े बदलाव की संभावना कम:- वुचिच की हार के बाद भी सर्बिया वेड रूस और यूरोपीय संघ से रिश्तों में बड़े बदलाव की संभावना कम है। कोसोवो को लेकर भी नई

के लिए मिलिशेविच जैसे तरीके अपनाए। मिलिशेविच 1990 के दशक में बाल्कन क्षेत्र के प्रमुख राष्ट्रवादी नेताओं में से एक थे। उनके शासन के दौरान पड़ोसी देशों के साथ तनाव बढ़ा और सरकार की आलोचना करने वालों पर दबाव डालने के आरोप लगे। वुचिच के विरोधी उनके काम करने के तरीके की तुलना इसी दौर से करते हैं। छात्र संगठनों के सामने अब नई सरकार बनाने की चुनौती:- वुचिच ने जीत के बाद छात्र गठबंधन के सामने अब सरकार बनाने की चुनौती होगी। शुरुआती नतीजों के मुताबिक, गठबंधन को संसद में बहुमत मिल सकता है। हालांकि, सरकार बनाने की प्रक्रिया आधिकारिक नतीजे आने और

संघर्ष के बीच भारतीय समुदाय को लेकर राजनीतिक बहस और एच-1बी वीजा का विरोध भी चर्चा में है। मंदिरों में ये तीन बड़े बदलाव होंगे:- 1. सुरक्षा कैमरे: मंदिरों में सीसीटीवी कैमरे और निगरानी वाले अलार्म लगाए जाएंगे। फुटेज छह महीने तक सुरक्षित रखने की व्यवस्था होगी, ताकि किसी घटना की जांच में मदद मिल सके। हथियारबंद छात्र: बड़े आयोजनों वाले मंदिरों और धार्मिक संस्थानों में प्रशिक्षित और लाइसेंसशुदा हथियारबंद सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे। कई मंदिर 24 घंटे सुरक्षा के लिए एजेंसियों से संपर्क कर रहे हैं। पुलिस से तालमेल: मंदिर प्रशासन को स्थानीय पुलिस के साथ संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। बड़े धार्मिक आयोजनों से पहले इमरजेंसी प्लान तैयार किया जाएगा, ताकि किसी खतरे की स्थिति में तुरंत कार्रवाई हो सके। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने सुरक्षा को लेकर एडवाइजरी जारी की:- हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने मंदिरों, धार्मिक आयोजन करने वालों और समुदाय के सदस्यों के लिए सुरक्षा संबंधी सलाह जारी की है। संगठन ने मंदिरों पर हमलों और हिंदू समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाने वाली गतिविधियों को लेकर चिंता जताई है।

इलिनॉय में मंदिर पर हमले की साजिश के बाद फैंसला-अमेरिका में मंदिरों की सुरक्षा पर रु100 करोड़ होंगे खर्च

न्यूयॉर्क। अमेरिका में दिवाली से पहले हिंदू मंदिरों की सुरक्षा बढ़ाने की तैयारी की गई है। इसके लिए

था। पापोराकिस अपने घर से करीब 65 किमी गाड़ी चलाकर ऑरेंग्रा स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी



करीब 100 करोड़ रुपए का फंड बनाया गया है। यह फैंसला इलिनॉय में एक मंदिर पर हमले की साजिश का पर्दाफाश होने के बाद लिया गया है। इसके तहत अमेरिका के लगभग 500 मंदिरों और धार्मिक संस्थानों की सुरक्षा बढ़ाई गई। विपक्षी नेता ने कहा- सरकार को मांगें माननी होंगी:-वामपंथी नेता और राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ज्यॉल्यूक मेलेनशॉ भी पेरिस के प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मैक्रों को देश में बढ़ते असंतोष को दूर करने के लिए लोगों की मांगें माननी होंगी, वरना प्रदर्शन बार-बार होंगे। वहीं, ओरिलियॉ शहर में हजारों लोगों ने दक्षिणपंथी और आरक्षण विरोधी पार्टी नेशनल रैली के मांगों के खिलाफ मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने पार्टी की नेता मरीन ले पेन और मैक्रों के खिलाफ नारे लगाए।

(बालाजी) मंदिर पहुंचा था। छुट्टी के दिन इस मंदिर में 3,000 से ज्यादा श्रद्धालु आते हैं। वह अपने साथ राइफल और सैकड़ों गोलियां लेकर आया था, लेकिन राइफल जाम होने के कारण हमला नहीं कर सका। इसके बाद उसे वहां से भागना पड़ा। 3 साल में मंदिरों में तोड़फोड़ के 25 मामले:- अमेरिका में पिछले तीन साल के दौरान मंदिरों में तोड़फोड़ की 25 घटनाएं सामने आई हैं। इनमें मंदिरों की दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखने के मामले भी शामिल हैं। न्यूयॉर्क के मेलबिल, सैंक्रामेंटो, यूटा और मिशिगन के मंदिरों में तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ नफरत से जुड़े अपराधों को लेकर भी चिंता बढ़ी है। इनमें ऑनलाइन ट्रोलिंग और नफरत भरे पोस्ट शामिल हैं।

राहुल गांधी मानहानि मामले में सुल्तानपुरा कोर्ट से बरी:शाह के खिलाफ अपमानजनक बयान देने का आरोप था

सुल्तानपुर। राहुल गांधी को अभिमत शाह से जुड़े मानहानि मामले में सुल्तानपुर की एम्पी-एमएलए कोर्ट ने सोमवार को बरी कर दिया। भाजपा नेता विजय मिश्रा ने अगस्त 2018 में राहुल के खिलाफ केस दर्ज कराया था। आरोप है कि राहुल ने 8 मई 2018 को बंगलुरु में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, 'जो पार्टी ईमानदारी का बात करती है, उसके अध्यक्ष पर हत्या का आरोप है।' फैसले के बाद कोर्ट के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों पर डांस किया, आतिशबाजी की और राहुल गांधी के समर्थनों में नारे लगाए। इससे पहले, सोमवार सुबह पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर राहुल के काफिले की 5 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इनमें एक एबुलेस भी थी। हादसे में राहुल सुरक्षित हैं। राहुल गांधी सुल्तानपुर की विशेष एम्पी-एमएलए कोर्ट सुबह 11.12 बजे पहुंचे। कोर्ट रूम में 11.16 बजे दाखिल हुए। 11.35 बजे कोर्ट से बाहर आ गए। कोर्ट ने 16 मिनट में फैसला सुनाया। जज ने भाजपा नेता को फटकार भी लगाई। जज ने कहा- झूठी वाहवाही पाने के लिए इस तरह के मुकदमे दायर नहीं करने चाहिए। ऐसे मामलों से अदालत का कीमती समय बर्बाद होता है। मामले दायर करने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए। बिना ठोस आधार के मुकदमा नहीं करना चाहिए। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की कोर्ट में राहुल की तरफ से वरिष्ठ वकील आरएस चौमा और काशी शुक्ला ने दलीलें दीं।

अमेरिका के फ्लोरिडा में स्टेडियम के पास फायरिंग, 12 घायल इनमें 6 बच्चे शामिल,गोलीबारी से पहले छात्रों के बीच झगड़ा हुआ था

वॉशिंगटन। अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य के तलहासी में शनिवार रात फुटबॉल स्टेडियम के पास फायरिंग में 12 लोग घायल हो गए। पुलिस वे

उन्होंने बच्चों के घायल होने पर दुःख जताया। यूनिवर्सिटी ने सोशल मीडिया पर बताया कि फायरिंग उसके कैंपस के पास हुई, लेकिन परिसर सुरक्षित है।



मुताबिक, घायलों में 6 बच्चे शामिल हैं। 3 लोगों की हालत गंभीर है, जबकि 9 की स्थिति स्थिर बताई गई है। मामले में अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, फायरिंग से पहले वहां छात्रों के बीच झगड़ा हुआ था। फुटबॉल मैच के बाद इलाके में भीड़भाड़ थी। यूनिवर्सिटी में चल रहा था होमकमिंग वीकेंड:- पुलिस के मुताबिक, फायरिंग जिस स्टेडियम के पास हुई स्टेडियम फ्लोरिडा एग्जीक्यूटिवल एंड मैकेनिकल यूनिवर्सिटी का है। उस वक्त यूनिवर्सिटी में होमकमिंग वीकेंड चल रहा था। यह यूनिवर्सिटी का खास आयोजन होता है, जिसमें पुराने छात्र अपने कॉलेज लौटते हैं और मौजूदा छात्रों के साथ खेल व दूसरे कार्यक्रमों में हिस्सा लेते हैं। पुलिस ने बच्चों के घायल होने पर दुःख जताया:- तलहासी पुलिस प्रमुख लॉरेंस रेबेल ने बताया कि घटनास्थल पूरी तरह सुरक्षित होने से पहले ही पुलिस अधिकारियों ने घायलों को सुरक्षित जगह पहुंचाया और अस्पताल ले जाने में मदद की।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। अधिकारी झगड़े की वजह और गोलीबारी में शामिल लोगों की पहचान करने में जुटे हैं। पुलिस ने लोगों से घटना से जुड़ी जानकारी शेयर करने की अपील की है। इस साल अमेरिका में हुई गोलीबारी की बड़ी घटनाएं:- 1 मार्च - टेक्सास: ऑस्टिन में एक बार के बाहर गोलीबारी हुई। इस घटना में 3 लोगों की मौत हुई और 14 लोग घायल हुए। 19 अप्रैल - लुइसियाना: एक व्यक्ति ने दो घरों में गोलीबारी कर 8 बच्चों की हत्या कर दी। बाद में पुलिस के साथ मुठभेड़ के दौरान उसकी भी मौत हो गई। 23 अगस्त - मोंटाना: एक व्यक्ति ने परिवार के साथ रविवार का खाना खाते समय गोलीबारी की। इसमें 8 रिश्तेदारों की मौत हो गई, जिनमें 4 बच्चे थे। बाद में घर में आग लग गई। आरोपी की भी मौत हो गई। 4 अक्टूबर - जॉर्जिया: एक पार्टी के दौरान गोलीबारी में 2 लोगों की मौत हो गई और करीब 35 लोग घायल हुए। 9 अक्टूबर- मैसिचुसेट्स: फायरिंग में बच्चों के समेत 9 लोगों की मौत हो गई। हमलावर ने खुद को भी गोली मार ली।

हृतियों ने सऊदी के तेल ठिकानों-एयरपोर्ट्स पर हमला किया,इस महीने सऊदी पर 6 बड़े हमले हुए मक्का-मदीना में मिसाइलों के टुकड़े गिरने की चेतावनी

रियाद। यमन के हूती विद्रोहियों ने शनिवार को सऊदी अरब के तेल ठिकानों और एयरपोर्ट्स पर हमला किया। हूती प्रवक्ता याह्या सरी के मुताबिक, निशाने पर सऊदी तेल कंपनी अरामको का यानबू ठिकाना, राबिग तेल रिफाइनरी के साथ रियाद, दम्माम और नजरान के

इसकी जानकारी दी। प्रवक्ता के मुताबिक, इन हमलों में 300 से ज्यादा हूती लड़ाके मारे गए। उन्होंने बताया कि ताइज इलाके में हूती विद्रोहियों के ठिकानों, हथियारों के गोदाम और सामान पहुंचाने वाले रास्तों पर हमले किए गए। इस रियाद, दम्माम और नजरान के



एयरपोर्ट थे। सऊदी सिविल डिफेंस ने मक्का और मदीना में मिसाइलों के टुकड़े गिरने की चेतावनी दी। लोगों से सुरक्षित जगहों पर रहने को कहा गया। इस महीने सऊदी अरब पर हृतियों ने 6 बड़े हमले किए हैं। अदन में नौसैनिक ठिकानों पर हमले:- याह्या सरी के मुताबिक हूती विद्रोहियों ने यमन के अदन में सैन्य कैंप और नौसैनिक अड्डे को भी निशाना बनाया। इस इमारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार की राजधानी है। यहां हाल के दिनों में भी हमले हुए हैं। 15 अक्टूबर को अदन में राष्ट्रपति भवन परिसर पर मिसाइल हमला हुआ था। यमनी अधिकारियों के मुताबिक, इसमें पांच लोगों की मौत हुई और 16 घायल हुए। प्रधानमंत्री शाय्या अल-जिदानी और सरकार के दूसरे अधिकारी भी इस दौरान वहां मौजूद थे। 16 अक्टूबर को अदन एयरपोर्ट परिसर में भी दो मिसाइलें गिरी थीं। यमनी अधिकारियों के मुताबिक, ये मिसाइलें काहिरा जाने के लिए तैयार एक यात्री विमान से करीब 500 मीटर दूर गिरीं। इस घटना में किसी की मौत या घायल होने की खबर नहीं थी। यमन सेना का दावा- 24 घंटे में 300 से ज्यादा हूती लड़ाके मारे:- यमन की सरकारी सेना ने दावा किया है कि उसने पिछले 24 घंटे में 700 से ज्यादा हमले किए हैं। सेना के प्रवक्ता कर्नल माजिद अब्दुल्ला अल-नजिली ने

हूती विद्रोहियों के बीच लड़ाई चल रही है। हृतियों का दावा- सना में सऊदी ने हमले किए-हूती मीडिया चैनल अल-मसीरा के मुताबिक, सना और अदन के आसपास के इलाकों में सऊदी अरब ने कई हमले किए। चैनल ने मोखा शहर के आसपास करीब 20 हवाई हमले होने की भी जानकारी दी। सना के आसपास एक रिहायशी इमारत पर भी हमला हुआ। इस इमारत में सीमेंट फैक्ट्री में काम करने वाले लोग रहते थे। हूती मीडिया के मुताबिक, हमले में छह महिलाओं और एक बच्चे की मौत हुई, जबकि तीन लोग घायल हुए। सऊदी अरब और हृतियों की दुश्मनी क्यों है:- इस संघर्ष की शुरुआत यमन के गृहयुद्ध से हुई। यमन में हृतियों ने 2014 में राजधानी सना पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद 2015 में सऊदी अरब ने कई देशों के साथ मिलकर उनके खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया। सऊदी अरब चाहता था कि यमन की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार को सना से हटा दिया जाए और हृतियों का कब्जा खत्म हो। इसके बाद कई साल तक यमन में हवाई हमले होते रहे। लेकिन हृतियों को पूरी तरह पीछे धकेलने में सऊदी गठबंधन कामयाब नहीं हो पाया। हूती अब भी यमन के बड़े हिस्से में अपनी पकड़ बनाए हुए हैं। उनकी लड़ाई का असर अब सऊदी अरब की सुखाना पर भी पड़ रहा है।

